RNI-UPHIN/2009/30721

दिल्ली
अधिकतम तापमान 31 डिग्री
न्युनतम तापमान 18 डिग्री
एनसीआर
अधिकतम तापमान 30 डिग्री
न्युनतम तापमान 18 डिग्री

सोमवार 27 अक्टूबर 2025
सुर्योदय प्रात: 06 :18 बजे
सूर्यास्त सांय 17 : 4. बजे

www.khabariya.com

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 जन सुराज : वैकल्पिक राजनीति का नया दर्शन?

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष : 17 | अंक : 010 | गाजियाबाद, सोमवार 27 अक्टूबर 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

समाज में एकता और सहयोग का संदेश देती है छठ पूजा : राष्ट्रपति मुर्मू

✷ **एनसीआर टुडे. नई दिल्ली** ✷। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने रविवार को देशवासियों को छठ पूजा की शुभकामनाएं दीं। मुर्मू ने अपने संदेश में कहा, "छठ पूजा के पावन अवसर पर मैं सभी देशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देती हूं।'' उन्होंने कहा, ''इस पर्व पर सूर्य उपासना के साथ ही नदियों, तालाबों एवं जलस्रोतों की आराधना की जाती है। हम प्रकृति के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हैं और परिवार के कल्याण के लिए प्रार्थना करते हैं।'' उन्होंने कहा, ''यह पर्व स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी देता है। समाज में एकता, सहयोग और सामूहिक सहभागिता की भावना को छठ पूजा और भी मजबूत करती है।'' उन्होंने कहा, ''इस पावन अवसर पर मैं सभी देशवासियों के सुख और समृद्धि की मंगलकामना करती हूं।'' सूर्य देव और छठी मैया को समर्पित इस चार दिवसीय पर्व का समापन 28 अक्टूबर को होगा।

सीबीआई ने करूर भगदड़ मामले की जांच का जिम्मा संभाला

✷ **एनसीआर टुडे. नई दिल्ली** ✷। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने करूर में अभिनेता-राजनेता विजय की पार्टी टीवीके की एक रैली के दौरान भगदड़ मचने से संबंधित मामले की जांच का जिम्मा संभाल लिया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि सीबीआई की एक विशेष टीम तमिलनाडु के करूर में स्थित वेलुसामीपुरम में घटनास्थल का दौरा कर चुकी है। सत्ताइस सितंबर को विजय रैली के दौरान भगदड़ मचने से 41 लोगों की मौत हो गई थी जबकि 60 से अधिक व्यक्ति घायल हुए थे। उन्होंने बताया कि प्रक्रिया के अनुसार, सीबीआई ने राज्य पुलिस की प्राथमिकी के आधार पर नई प्राथमिकी दर्ज कर ली है और स्थानीय अदालत को भी इस घटनाक्रम की जानकारी दे दी है। तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) ने स्वतंत्र जांच के लिए उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर की थी, जिसके निर्देश पर जांच सीबीआई को सौंपी गई है।

महाराष्ट्र में चिकित्सक की आत्महत्या को राहुल ने ''संस्थागत हत्या'' बताया, भाजपा की आलोचना की

✷ **एनसीआर टुडे. नई दिल्ली** ✷। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने महाराष्ट्र के सतारा जिले में एक महिला सरकारी चिकित्सक की कथित आत्महत्या को ''संस्थागत हत्या'' करार देते हुए रविवार को कहा कि उसकी मौत भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार की ''अमानवीय और असंवेदनशील'' प्रकृति को उजागर करती है। मध्य महाराष्ट्र में मराठवाड़ा क्षेत्र के बीड जिले की रहने वाली और सातारा जिले के एक सरकारी अस्पताल में कार्यरत महिला चिकित्सक का शव बृहस्पतिवार रात फलटण कस्बे के एक होटल के कमरे में फंदे से लटका मिला था। अपनी हथेली पर लिखे 'सुसाइड नोट' में महिला चिकित्सक ने आरोप लगाया था कि पुलिस उपनिरीक्षक गोपाल बदाने ने कई बार उसके साथ बलात्कार किया जबकि सॉफ्टवेयर इंजीनियर प्रशांत बनकर उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहा था।

निर्वाचन आयोग सोमवार शाम मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर संवाददाता सम्मेलन करेगा : अधिकारी

✷ **एनसीआर टुडे. नई दिल्ली** ✷। निर्वाचन आयोग देशव्यापी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की घोषणा करने के लिए सोमवार शाम को संवाददाता सम्मेलन करेगा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पूरी जानकारी का हालांकि अभी इंतजार है, लेकिन निर्वाचन आयोग द्वारा एसआईआर के पहले चरण की घोषणा किये जाने की संभावना है, जिसमें 10 से 15 राज्य शामिल होंगे। इनमें वे राज्य भी शामिल होंगे जहां 2026 में विधानसभा चुनाव होने हैं।

'आसियान भारत की एक्ट ईस्ट नीति का मुख्य स्तंभ'

पीएम मोदी ने सम्मेलन को वर्चुअली किया संबोधित

✷ **एनसीआर टुडे. नई दिल्ली** ✷

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को आसियान शिखर सम्मेलन में वर्चुअली हिस्सा लिया। इस सम्मेलन को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि आसियान के देश साझा मूल्यों की डोर से बंधे हुए हैं। 21वीं सदी आसियान देशों की सदी है।

बता दें कि आसियान की यह बैठक मलयेशिया में हो रही है। शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि मलयेशियाई प्रधानमंत्री और मेरे मित्र अनवर इब्राहिम आपने मुझे आसियान परिवार में शामिल होने का अवसर दिया, इसके लिए मैं बहुत खुश हूं। मैं आपको इस सफल शिखर सम्मेलन के लिए बधाई देता हूं।

पीएम ने कहा, समावेशीपन और स्थिरता इस वर्ष के आसियान शिखर सम्मेलन के विषय हैं और यह विषय हमारे साझा प्रयासों को दर्शाता है। चाहे वह डिजिटल समावेशन हो, खाद्य सुरक्षा हो, या इस अशांत वैश्विक समय में लचीली आपूर्ति श्रृंखलाएं हों।

हम साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा, 'भारत के देश समन्वयक की भूमि का कुशलता से निभाने पर फिलीपींस के राष्ट्रपति मार्कोस का धन्यवाद करता हूं।' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आगे कहा, 'थाईलैंड की राजमाता के निधन पर मैं सभी भारतवासियों की ओर से थाईलैंड के राज परिवार और जनता के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं।'

पीएम मोदी ने इस दौरान कहा, 'भारत और आसियान मिलकर विश्व की लगभग एक-चौथाई जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करते हैं। हम न केवल भूगोल साझा करते हैं, बल्कि गहरे ऐतिहासिक संबंधों और साझे मूल्य के जोड़ से जुड़े हुए हैं। हम वैश्विक दक्षिण का हिस्सा हैं। हमारे बीच न केवल व्यापारिक संबंध हैं, बल्कि सांस्कृतिक संबंध भी हैं। आसियान भारत की एक्ट ईस्ट नीति का मुख्य श्तंभ है। भारत ने हमेशा आसियान की केंद्रीयता और हिंद-प्रशांत क्षेत्र पर आसियान के दृष्टिकोण का समर्थन किया है। अनिश्चितता के इस दौर में भारत-आसियान व्यापक रणनीतिक साझेदारी निरंतर मजबूत हुई है। हमारी मजबूत साझेदारी वैश्विक स्थिरता और विकास का आधार बनकर उभर रही है।'

कांग्रेस ने छठ के दौरान 12 हजार ट्रेन चलाने पर सरकार को घेरा

✷ **एनसीआर टुडे. नई दिल्ली** ✷

कांग्रेस ने रेल मंत्रालय द्वारा महापर्व छठ के दौरान 12 हजार ट्रेन चलाने

के केन्द्र सरकार के ऐलान पर सवाल उठाया है। कांग्रेस सोशल मीडिया हेड सुप्रिया श्रीनेत ने सवाल किया, ''रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव डींगे हाँक रहे थे कि त्यौहार पर 12 हज़ार ट्रेनें चलायी जा रही हैं। भगवान ही जानें कहाँ चलीं यह ट्रेन क्योंकि लोग अभी भी भेड़ बकरी की तरह जिस तरह से रेल के डिब्बों में लोग ठूंस कर घर जाने को मजबूर हैं।

उन्होंने रेल मंत्री को 'रील मंत्री' बताते हुए कहा कि वह एसी वाले यात्रियों के लिए प्रिंटेड कंबल का अनावरण करने में व्यस्त हैं जनता परेशान हो इससे उन्हें क्या?' श्रीमती श्रीनेत ने कहा कि लोगों के लिए होली, दिवाली, छठ जैसे पर्व बड़े मायने रखते हैं और उनकी सरकार से क्या अपेक्षा होती है।

यही ना कि आवा-गमन की उचित व्यवस्था हो जाये। पर्याप्त ट्रेन, सही दाम पर चल जाएँ जो लोगों को उनके गंतव्य तक पहुँचा दें, लेकिन सरकार बहादुर को लफ़्फ़ाज़ी से फुर्सत नहीं है।

मोदी की 'गले लगाने की कूटनीति' कुआलालंपुर में नहीं दिखी : कांग्रेस ने किया कटाक्ष

✷ **एनसीआर टुडे. नई दिल्ली** ✷

भारत द्वारा रूसी तेल की खरीद में कटौती करने के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फिर से दावा करने को लेकर कांग्रेस ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर कटाक्ष किया और कहा कि इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि प्रधानमंत्री की ''गले लगाने की कूटनीति'' कुआलालंपुर में नहीं दिखी। विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने यह कटाक्ष ऐसे समय किया है, जब ट्रंप ने आसियान शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए मलेशिया जाते समय संवाददाताओं से कहा कि ''भारत रूसी तेल की खरीद में पूरी तरह कटौती कर रहा है।''

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा, "बीती रात, एयर फ़ोर्स वन में कुआलालंपुर जाते समय, राष्ट्रपति ट्रंप ने कम से कम छठी बार यह दावा दोहराया कि भारत रूस से तेल के आयात में कटौती कर रहा है। इस बार उन्होंने कहा है कि भारत रूस से तेल के आयात को पूरी तरह शून्य कर देगा।" रमेश ने प्रधानमंत्री पर कटाक्ष करते हुए कहा, ''इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि श्रीमान मोदी की 'हग्लोमैसी' (गले लगाने की कूटनीति) आज कुआलालंपुर में नहीं दिखी।''

रमेश ने ट्रंप की पत्रकारों के साथ बातचीत का एक वीडियो क्लिप भी साझा किया, जिसमें उन्होंने भारत द्वारा रूसी तेल आयात में कटौती करने के अपने दावे को दोहराया।

रविवार से शुरू हुए आसियान शिखर सम्मेलन के लिए प्रधानमंत्री मोदी के मलेशिया की यात्रा नहीं करने और इसमें डिजिटल तरीके से भाग लेने का विकल्प चुनने के बाद, कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को दावा किया था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आसियान शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए मलेशिया नहीं जा रहे हैं क्योंकि वह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का सामना नहीं करना चाहते।

रमेश ने पिछले सप्ताह कहा था, ''सोशल मीडिया पर राष्ट्रपति ट्रंप की तारीफ़ में संदेश पोस्ट करना एक बात है, लेकिन उस व्यक्ति के साथ आमने-सामने होना दूसरी बात है, जिन्होंने ऑपरेशन सिंदूर रोकने का दावा 53 बार किया है और पांच बार यह कहा है कि भारत ने रूस से तेल ख़रीदना बंद करने का वादा किया है... यह उनके लिए काफ़ी जोखिम भरा है।'

मलेशिया ने शिखर सम्मेलन के लिए ट्रंप के साथ-साथ दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्रों के संगठन (आसियान) के कई वार्ता साझेदार देशों के नेताओं को भी आमंत्रित किया है। ट्रंप ने अपना दावा दोहराया है कि भारत रूस से तेल खरीदना 'बंद' करने पर सहमत हो गया है और साल के अंत तक उसे 'लगभग शून्य' पर ला देगा। हालांकि, उन्होंने कहा कि यह एक प्रक्रिया है और इसमें कुछ समय लगेगा।

110 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आ रहा तूफान प्रशासन की सांसें फूलीं, 3 राज्यों में हाई अलर्ट

✷ **एनसीआर टुडे. नई दिल्ली** ✷

बंगाल की खाड़ी में बन रहे गहरे दबाव ने चक्रवाती तूफान मोंथा ने विकराल रूप ले लिया है। मौसम विभाग का अनुमान है कि 28 अक्टूबर की शाम या रात को यह तूफान आंध्र प्रदेश के मछलीपट्टनम और कालींगपट्टनम के बीच, काकीनाडा के पास टकरा सकता है। आईएमडी के वैज्ञानिक एस करुणासागर ने बताया कि इससे पहले आंध्र तट के पास 45 से 55 किमी/घंटा की हवाएं चलने लगेंगी, जो धीरे-धीरे 90-110 किमी/घंटा तक पहुंच सकती हैं।' इसके असर को देखते हुए आंध्र प्रदेश, ओडिशा और तमिलनाडु में प्रशासन ने हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है।

आंध्र प्रदेश में चक्रवात के खतरे को देखते हुए जिलों में प्रशासन ने सतर्कता बढ़ा दी है। सभी जिलों में कंट्रोल रूम बनाए गए हैं और अधिकारियों को चौकसी बरतने के निर्देश दिए गए हैं। विशाखापट्टनम कलेक्टरेट में कंट्रोल रूम स्थापित किए गए हैं, जहां लोग चक्रवात से जुड़ी किसी भी समस्या के लिए मदद ले सकते हैं।

इसके लिए हेल्पलाइन नंबर 0891-2590102 और 0891-2590100 जारी किए गए हैं। विशाखापट्टनम के कलेक्टर एमएन हरेंद्र प्रसाद ने कहा कि स्टाफ शिफ्ट के आधार पर चौबीसों घंटे उपलब्ध रहेगा।

आंध्र प्रदेश सरकार ने तटीय जिलों और रायलसीमा क्षेत्र में रेड अलर्ट जारी कर दिया है। मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने शनिवार को सभी जिला कलेक्टरों और पुलिस अधीक्षकों के साथ आपात बैठक कर स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिया कि आवश्यक सेवाओं में किसी भी तरह की रुकावट नहीं आनी चाहिए और जरूरत पड़ने पर स्कूल-कॉलेजों में छुट्टियां घोषित की जाएं। सीएम ने कहा कि एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमों को संवेदनशील जिलों में तैनात किया जाए।

काकीनाडा में 'हॉस्पिटल ऑन व्हील्स' की व्यवस्था रखी जाए। बिजली और पेयजल आपूर्ति निर्बाध रहनी चाहिए। सरकारी अधिकारियों ने बताया कि गुंटूर, नेल्लोर, चित्तूर, काकीनाडा, बापटला और वाईएसआर कडप्पा जिलों में विशेष नियंत्रण कक्ष स्थापित किए गए हैं। 27 और 28 अक्टूबर को सारे स्कूल-कॉलेज बंद रहेंगे।आईएमडी ने चेतावनी दी है कि 27 से 29 अक्टूबर तक तटीय और रायलसीमा जिलों में भारी से अत्यधिक भारी बारिश (210 मिमी से अधिक) हो सकती है।

थाईलैंड ने इस चक्रवाती तूफान का नाम मोंथा रखा है। थाई भाषा में इसका अर्थ है 'सुगंधित या सुंदर फूल' होता है। भारतीय मौसम विभाग ने इसे 'सीवियर साइक्लोनिक स्टॉर्म' यानी गंभीर चक्रवाती तूफान की श्रेणी में रखा है।

इस दौरान 90 से 110 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं और कई जिलों में अत्यधिक भारी वर्षा होगी।

उपराष्ट्रपति सेशेल्स रवाना, नवनिर्वाचित राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण में शामिल होंगे

✷ **एनसीआर टुडे. नई दिल्ली** ✷

भारत के उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन रविवार को नवनिर्वाचित राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने के लिए सेशेल्स रवाना हुए।

भारत के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि यात्रा के दौरान उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन सेशेल्स के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी को भारत की ओर से बधाई देंगे और दोनों देशों के बीच घनिष्ठ, दीर्घकालिक और समय-परीक्षित संबंधों की पुष्टि करेंगे।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर विदेश मंत्रालय ने कहा, "भारत-सेशेल्स द्विपक्षीय संबंधों को और गति प्रदान करते हुए उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन सेशेल्स गणराज्य के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डॉ. पैट्रिक हर्मिनी के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने के लिए सेशेल्स के लिए रवाना हो गए हैं।" इससे पहले विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को बयान जारी कर कहा, "सेशेल्स भारत के विजन महासागर और ग्लोबल साउथ के प्रति हमारी प्रतिबद्धता के तहत एक महत्वपूर्ण साझेदार है। यह यात्रा सेशेल्स के साथ साझेदारी को मजबूत और विश्तारित करने की भारत की गहरी प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।"

भारत-सेशेल्स के बीच का संबंध गहरी मित्रता, समझ और सहयोग का प्रतीक है। विदेश मंत्रालय ने कहा, "वर्ष 1770 में पांच भारतीयों का एक छोटा समूह सात अफ्रीकी दासों और 15 फ्रांसीसी उपनिवेशवादियों के साथ बागान श्रमिकों के रूप में सेशेल्स पहुंचा था और उन्हें द्वीप समूह का पहला निवासी माना गया था।" भारत-सेशेल्स के बीच राजनयिक संबंध 1976 में स्थापित हुए। 29 जून 1976 को जब सेशेल्स को स्वतंत्रता मिली, तो भारतीय नौसेना के जहाज, आईएनएस नीलगिरि की एक टुकड़ी ने स्वतंत्रता दिवस में भाग लिया।

स्वास्थ्य संस्थानों की प्राथमिकता सामाजिक उत्तरदायित्व का निर्वहन होनी चाहिए : मुर्मू

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को कहा कि सामाजिक उत्तरदायित्व का निर्वहन करना स्वास्थ्य संस्थानों की प्राथमिकता होनी चाहिए। गाजियाबाद के इंदिरापुरम में स्थित एक निजी अस्पताल का उद्घाटन करने के बाद आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा, "मैं मानती हूं कि स्वास्थ्य उत्तरदायित्व के साथ-साथ सामाजिक उत्तरदायित्व का निर्वहन करना स्वास्थ्य संस्थानों की प्राथमिकता होनी चाहिए।''

उन्होंने अस्पताल के आयोजकों की सराहना करते हुए कहा, "स्वास्थ्य सेवा के जरिये आप लोग देश सेवा कर रहे हैं, इसके लिए आप सबकी सराहना करती हूं। यशोदा अस्पताल ने राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को अपनाया है।" म

र्मू ने कहा, "मुझे बताया गया कि कोविड महामारी के दौरान यशोदा अस्पताल द्वारा बड़ी संख्या में लोगों का उपचार किया गया। राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन अभियान में बड़ी संख्या में रोगियों की देखभाल की जाती है। यह संस्था जनजाति आबादी वाले क्षेत्रों में होने वाली समस्या के समाधान के बारे में सोचती है।"

राष्ट्रपति ने कहा, "मुझे प्रसन्नता है कि इस संस्थान द्वारा समाज सेवा और राष्ट्र सेवा के आदर्शों को प्राथमिकता दी जाती है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य और चिकित्सा से जुड़े आधारभूत ढांचे का निरंतर विश्तार किया जा रहा है। यह स्वस्थ भारत और विकसित भारत के क्षेत्र में अहम योगदान है। मुर्मू ने कहा, ''देश में स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में यह महत्वपूर्ण योगदान है और यह प्रयास होना चाहिए के स्वास्थ्य व चिकित्सा से कोई देशवासी वंचित ना रहे। निजी क्षेत्र की स्वास्थ्य संस्थाएं इस क्षेत्र में अमूल्य योगदान दे सकती हैं।''

संस्था के प्रबंध निदेशक डॉक्टर पीएन अरोड़ा द्वारा अपनी मां के नाम पर 'यशोदा मेडिसिटी' अस्पताल' खोलने के कदम की मुर्मू ने सराहना की। उन्होंने उम्मीद जताई कि स्वदेशी की भावना के साथ चिकित्सा अनुसंधान पर विशेष बल देकर 'यशोदा मेडिसिटी' अस्पताल द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं के लिए प्रभावी प्रयास किये जाएंगे। राष्ट्रपति ने कहा कि इस संस्था में कैंसर उपचार की आधुनिकतम सुविधाएं मिलेंगी।

राष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें पहली बार एक छत के नीचे समग्र उपचार की व्यवस्था देखने का मौका मिला। समारोह को उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने भी संबोधित किया।

'यशोदा मेडिसिटी' अस्पताल के उद्घाटन के मौके पर राष्ट्रपति के साथ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल भी मौजूद रहीं। 'यशोदा मेडिसिटी' के चेयरमैन डॉ. पी.एन. अरोड़ा ने इस मौके पर अतिथियों का स्वागत किया।

इसके पहले डॉ. अरोड़ा ने पत्रकारों को बताया था कि निजी अस्पतालअत्याधुनिक तकनीक, अनुभवी चिकित्सकों और प्रशिक्षित स्टाफ से सुसज्जित है।

अरोड़ा ने बताया था कि यह न केवल आधुनिक चिकित्सा सेवाओं का केंद्र बनेगा, बल्कि मरीज-केंद्रित देखभाल और स्वास्थ्य जागरूकता का भी प्रतीक होगा। उन्होंने कहा कि संस्था का उद्देश्य केवल बीमारियों का उपचार करना नहीं, बल्कि समाज में स्वास्थ्य शिक्षा को बढ़ावा देना भी है।

इसके पहले डॉक्टर पीएन अरोड़ा ने कहा कि उनकी मां यशोदा देवी का निधन 1986 में कैंसर रोग से हो गया था और तभी उन्होंने मरीजों की सेवा का संकल्प लिया।

उन्होंने कहा कि इस संस्था को विश्वस्तरीय स्वास्थ्य केन्द्र बनाने में सबका सहयोग रहा है।

डॉक्टर अरोड़ा ने मुर्मू को शाल, शंख और स्मृति चिह्न भेंट करके उनका अभिनंदन किया। अरोड़ा ने मुख्यमंत्री, रक्षा मंत्री समेत अन्य अतिथियों को भी शॉल, शंख और स्मृति चिह्न भेंट किये।

संक्षिप्त समाचार

अरुणाचल में एचआईवी रैकेट! दो कर्मचारियों की खुदकुशी के बाद फरार हो गए आईएएस अधिकारी

इंफाल, एजेंसी। अरुणाचल प्रदेश में खुदकुशी के दोहरे मामले में आईएएस अधिकारी तालो पोटोम के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी कर दिया गया है। 23 अक्टूबर को एक 19 साल के शख्स ने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए खुदकुशी कर ली थी। दिल्ली सरकार में पीडब्लूडी में सचिव के तौर पर तैनात पोटोम इस समय फरार हैं। पीड़ित के परिवार का कहना है कि पोटोम की वजह से ही पीड़ित ने खुदकुशी की थी। परिवार ने कहा कि जब तक आईएएस गिरफ्तार नहीं हो जाते, वे शव भी नहीं स्वीकार करेंगे।19 साल के शख्स के अलावा रूरल वर्क डिपार्टमेंट के एक इंजीनियर ने भी खुद को गोली मार ली थी। पीड़ित किशोर ने दावा किया था कि उसका यौन उत्पीड़न किया गया और उसके साथ धोखेबाजी की गई। उसने एक अधिकारी पर आरोप लगाया था कि जान-बूझकर उसे एचआईवी पॉजिटिव कर दिया गया और फिर ब्लैकमेल किया गया। उसने अपने सुसाइड नोट में तालो पोटोम को भी जिम्मेदार ठहराया था। उसने कहा, अगर उन्होंने मुझे इस पद पर ना नियुक्त किया होता तो मैं आत्महत्या नहीं करता। मैंने जो कुछ भी किया उनकी वजह से ही किया और मेरे पास जीने का कोई रास्ता नहीं बचा था। पीड़ित के पिता ने नीरूजी पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज करवाई।इस में अरुणाचल प्रदेश की पुलिस ने एक एसआईटी गठित की है। वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों के खिलाफ आरोपों की जांच और आत्महत्या के पीछे की वजहों का पता लगाया जा रहा है। पुलिस ने कहा कि एईएएस पोटोम को तलाश करने की कोशिश की जा रही है। पुलिस ने बताया कि आत्महत्या करने वाले इंजीनियर ने भी अपने नोट में एचआईवी पॉजिटिव होने की बात कही थी। अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है। पुलिस ने कहा कि पोटोम की गिरफ्तारी के बाद उनका भी एचआईवी टेस्ट करवाया जाएगा।

राम मंदिर का लाइव टेलीकास्ट देखना अपराध नहीं

चेन्नई, एजेंसी। मद्रास उच्च न्यायालय ने कोयंबटूर में रामलला प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के सीधा प्रसारण के दौरान कथित रूप से सार्वजनिक उपद्रव करने के आरोप में दर्ज एक एफआईआर को रद्द कर दिया है। न्यायमूर्ति एन. सतीश कुमार की एकल पीठ ने कहा कि धार्मिक आयोजन के लिए एकत्र होना अवैध जमावड़ा नहीं माना जा सकता, जब तक कि उसमें किसी प्रकार की हिंसा या अपराध का तत्व न हो। न्यायमूर्ति ने कहा कि अभियोजन पक्ष के दस्तावेजों से यह साबित नहीं होता कि आरोपियों ने बल प्रयोग किया, अपराध किया या किसी के अधिकारों में हस्तक्षेप किया। कोर्ट ने कहा, केवल इसलिए कि कुछ समूहों ने आपत्ति जताई, किसी धार्मिक सभा को आपराधिक गतिविधि नहीं कहा जा सकता है।

सास को अपने साथ घर में नहीं रखना चाहती थी बहू, फरीदाबाद में घरेलू झगड़े से तंग पति ने दी जान

फरीदाबाद, एजेंसी। ग्रेटर फरीदाबाद में घरेलू कलह से तंग आकर एक युवक ने शुक्रवार देर रात कथित तौर पर सोसाइटी की 15वीं मंजिल से कूदकर जान दे दी। मृतक योगेश सिंह सेंगर गुरुग्राम स्थित प्राइवेट अस्पताल में रेडियोग्राफर था। फरीदाबाद पुलिस ने योगेश के चाचा की शिकायत पर मृतक की पत्नी और उसके ससुरालियों के खिलाफ खुदकुशी के लिए उकसाने का मामला दर्ज कर लिया है। मृतक के चाचा ने बताया कि योगेश की पत्नी अपनी सास को साथ नहीं रखना चाहती थी। इसको लेकर आए दिन घर में झगड़े होते थे।भूपानी थाना पुलिस के मुताबिक, मध्य प्रदेश में ग्वालियर के टेकनपुर निवासी प्रकाश सिंह ने पुलिस शिकायत में बताया कि उसके भतीजे योगेश सिंह सेंगर की शादी करीब नौ साल पहले नोएडा के सेक्टर-22 निवासी नेहा से हुई थी। भतीजा गुरुग्राम स्थित निजी अस्पताल में काम करता था, उसकी पत्नी नोएडा में कार्यरत थी। उसका भतीजा अपने बेटे के पालन-पोषण के लिए अपनी मां को साथ रखना चाहता था।

जे-के में क्रॉस वोटिंग पर बोले डिप्टी सीएम

साबित हो गया बीजेपी वोट चोरी में शामिल है

जम्मू , एजेंसी।
जम्मू-कश्मीर के डिप्टी चीफ मिनिस्टर सुरिंदर चौधरी ने शनिवार को आरोप लगाया कि जम्मू-कश्मीर से बीजेपी की राज्यसभा सीट जीतने से पार्टी पर लगे वोट चोरी के आरोप सही साबित हुए हैं। जम्मू-कश्मीर में राज्यसभा सीट के लिए हुए चुनाव में गैर-बीजेपी पार्टियों के बीच क्रॉस-वोटिंग को लेकर चल रहे आरोप-प्रत्यारोप के बीच, चौधरी ने कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस बीजेपी के साथ गठबंधन करने के बजाय सरकार छोड़ना पसंद करेगी।शुक्रवार को, सत्ताधारी एनसी ने तीन सीटें जीतीं, जबकि भाजपा 2019 में केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद जम्मू-कश्मीर में

हुए पहले राज्यसभा चुनाव में चौथी सीट जीतने में कामयाब रही। उन्होंने कहा, हम सुनते थे कि बीजेपी वोट खरीदती और चुराती है लेकिन जम्मू-कश्मीर के लोग इस पर विश्वास नहीं करते थे। लेकिन इस बार यह साबित हो गया है कि बीजेपी सच में वोट चोरी में शामिल है।डिप्टी चीफ मिनिस्टर ने उधमपुर जिले में पत्रकारों से कहा, मैं यह नहीं बताऊंगा कि उन्होंने यह कैसे किया, इसमें पैसा लगा या नहीं, लेकिन जो भी हुआ, उन्होंने कुछ वोट मैनेज कर लिए। विपक्षी पार्टियां, खासकर कांग्रेस, आरोप लगा रही हैं कि चुनाव जीतने के लिए बीजेपी और इलेक्शन कमीशन ने वोट चुराने के लिए मिलीभगत की है।चौधरी, जो एनसी कैंडिडेट शमीम बेगम के साथ नगरोटा उपचुनाव के लिए कैंपेन करने वाले हैं, ने कहा कि भाजपा के पास सिर्फ 28 मेंबर थे लेकिन उनके कैंडिडेट को 32 वोट मिले। उन्हें चार एक्स्ट्रा वोट कहां से मिले? उन्होंने कहा, यह लॉलीपॉप पार्टी हमें तहजीब और उसूलों का सबक सिखाती है लेकिन उन्हें तहज़ीब और उसूलों का सबक हमसे सीखना चाहिए।चौधरी ने कहा कि एनसी ने पैसे के बदले वोट नहीं दिए या कोई और वादा नहीं किया और कहा कि चीफ मिनिस्टर उमर अब्दुल्ला शुरू से कह रहे हैं कि बीजेपी हॉर्स-ट्रेडिंग करने जा रही है। उन्होंने कहा, उन्होंने हॉर्स ट्रेडिंग की है, जो अब साबित हो गया है। उन्होंने कहा कि एनसी के किसी भी लेजिस्लेटर ने भाजपा कैंडिडेट के पक्ष में राज्यसभा चुनाव में क्रॉस-वोटिंग नहीं की।उन्होंने कहा, हम सरकार छोड़ सकते हैं, लेकिन हम भाजपा के साथ अलायंस नहीं करेंगे।

गुरुग्राम गांव कादरपुर में दो पक्षों में बवाल, मारपीट में 10 से ज्यादा घायल

गुरुग्राम, एजेंसी। गुरुग्राम के गांव कादरपुर ढाणी में गुरुवार देर रात को रास्ते को लेकर हुए विवाद में 2 पक्ष आपस में भिड़ गए। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच में जमकर लाठी-डंडे चले। इसमें दोनों पक्षों के 10 से ज्यादा लोगों को गंभीर चोटें आई हैं। इसमें से दो युवकों का इलाज निजी अस्पताल के आईसीयू में चल रहा है। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर क्रास मामला भोंडसी थाने में दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, गांव निवासी रविंद्र और भारत ने पुलिस को शिकायत देते हुए आरोप लगाया कि उनके पड़ोस में रहने वाला परिवार उनकी जमीन से जबरन रास्ता बनाने की कोशिश कर रहा था। इस विवाद को लेकर गुरुवार दोपहर दोनों पक्षों में कहासुनी हुई थी। बताया गया कि जब परिवार की बुजुर्ग महिला संतरा देवी ने बाहरी लोगों को रास्ते से आने से रोका तो दूसरे पक्ष के लोगों ने उनके साथ हाथापाई की।शाम के समय मामला शांत हो गया था लेकिन रात करीब साढ़े नौ बजे यह झगड़ा दोबारा शुरू हो। भारत ने बताया कि दूसरे पक्ष के आधा दर्जन से ज्यादा लोग लाठी-डंडों से लैस होकर घर पर आ गए और उनके परिवार पर जानलेवा हमला कर दिया। हमलावरों ने बाहरी इलाकों से कुछ अपराधी प्रवृत्ति के लोगों को भी बुला रखा था।हमले में पिता राजेंद्र, भाई प्रिंस, चाचा रविंद्र, मां मुकेश, चाची मुनेश और दादी संतरा देवी सहित कई लोग घायल हुए। इनमें राजेंद्र और प्रिंस की हालत गंभीर बताई जा रही है। भारत ने बताया कि उनकी ओर से पुलिस को पहले ही शिकायत दी गई थी लेकिन उसके बाद भी हमला हुआ। हमारे पास वीडियो है। महिलाओं को भी नहीं छोड़ा गया, उन्हें लाठियों से पीटा गया। मेरे पिता आईसीयू भर्ती हैं। इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें दोनों पक्षों के लोग एक-दूसरे पर लाठियां बरसाते दिखाई दे रहे हैं।

दो लाख सत्रह हजार के नकली नोटों के साथ शातिर गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

थाना देहलीगेट पुलिस टीम द्वारा नकली नोटों के साथ शातिर युवक गिरफ्तार कर उसके कब्जे से दो लाख सत्रह हजार रूपये के नकली नोट, एक मोबाइल फोन व एक मोटरसाइकिल बुलेट बरामद की गई है।

खैर अड्डा स्थित जनसेवा केन्द्र पर एक व्यक्ति द्वारा फोन पे के फत कोड पर एक लाख रूपये ट्रांसफर करने के लिए असली की तरह दिखने वाले 500-500 रुपये के नकली नोट दिये थे, जनसेवा केन्द्र संचालक को शक होने पर स्थानीय पुलिस को सूचना दी गई एवं वादी की तहरीर के आधार पर थाना देहलीगेट पर मुकद्दमा पंजीकृत किया गया है।

थाना देहलीगेट पुलिस ने आरोपी जिकरुल हसन उर्फ रॉकी पुत्र अहमद हसन निवासी मौहल्ला गणेशपुर बाग एटा रोड गंजडुण्डवारा थाना गंजडुण्डवारा जिला कासगंज को गिरफ्तार किया गया है।

जिसके कब्जे से दो लाख सत्रह हजार रूपये के 500 के 434 नकली नोट, एक रूपये (500 के दो असली नोट), एक मोबाइल फोन वन प्लसएक बुलेट मोटरसाइकिल (बिना नम्बर प्लेट) तथा पिछले मडगार्ड पर पुलिस लिखा है, बरामद की गई ।

पुलिस पूछताछ में आरोपी द्वारा पूछताछ पर बताया गया कि उसका दोशत बारिक पुत्र शहजाद पश्चिम बंगाल से जाली नोट लाकर चलाता था, अच्छा मुनाफा कमाने के लालच में वह भी इस काम में शामिल हो गया था।

बारिक ने पश्चिमी बंगाल में उसकी मुलाकात जुबेर नाम के व्यक्ति से कराई थी, हमने जुबेर से नकली नोट लिये थे, पूर्व में भी नकली नोट चलाने में थाना रोरावर पुलिस द्वारा हम तीनों को गिरफ्तार कर जेल भेजा था।

जेल में ही मेरी दोशती मुकेश उर्फ अमन से हुई थी। जेल से छूटने के बाद मुकेश उर्फ अमन ने मुझे एक फोन वन प्लस व एक मोटर साइकिल बुलेट दी थी। उसने अपने साथी मुकेश उर्फ अमन के साथ बुलट मोटर साइकिल से खेरेश्वर चौराहे पर गया था।

जहां बारिक ने 500-500 के नकली नोट हमें दिये थे, खैर अड्डे पर एक जन सेवा केन्द्र पर नकली नोटों को चलाने हेतु उसने पचास हजार रूपये पश्चिम बंगाल में रहने वाले अपने एक अन्य मित्र जुबेर द्वारा भेजे गये क्यूआर कोड में डालने के लिये केन्द्र संचालक को दिये, संचालक द्वारा नकली नोटों का शक होने पर अन्य साथियों को बुला लिया था।

उसके बाद वहां पर भीड़ इकट्ठा होने पर हम लोग वहां से भाग गये थे। आरोपी जिकरूल हसन को बुलट मोटर साइकिल से नकली नोट लेकर शाहजमाल की तरफ से कब्रिस्तान होकर अपने दोशत के पास जाते समय गिरफ्तार किया गया है।

लेडी डॉक्टर के सुसाइड को लेकर खुलासे; पुलिस से कई दिनों से चल रहा था टकराव

मुंबई , एजेंसी।
महाराष्ट्र के सतारा में सरकारी महिला डॉक्टर की आत्महत्या का मामला गरमाया हुआ है। अब पता चला कि वह स्थानीय पुलिस के साथ तीखे टकराव में उलझी हुई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, फलटण उप-जिला अस्पताल की डॉक्टर ने कई पुलिस अधिकारियों के नाम पर शिकायतें दर्ज की थीं, जबकि पुलिस ने उसके खिलाफ भी बदले की शिकायत की थी। इन आरोपों की जांच कर रही समिति को दिए 4 पेज के बयान में डॉक्टर ने उत्पीड़न के कई उदाहरण दर्ज कराए थे। उसने लिखा था कि उसे बीड़ कनेक्शन के कारण निशाना बनाया जा रहा है। पीड़िता ने चेतावनी दी थी कि अगर मेरे साथ कुछ होता है तो पुलिस जिम्मेदार होगी।

लेडी डॉक्टर ने यह बयान अगस्त 2025 में सौंपा था। 23 अक्टूबर की रात को फलटण के होटल के कमरे में वह फंदे से लटकी मिली। उसकी मौत को लेकर सुसाइड नोट में बलात्कार के आरोप भी दर्ज हैं, जो उसके हाथ की हथेली पर लिखा गया था। डॉक्टर ने दावा किया कि एक पुलिस अधिकारी ने उसके साथ कई बार रेप किया और एक अन्य व्यक्ति ने उसे परेशान किया। उसने अपने बयान में यह भी आरोप लगाया कि एक सांसद ने कई बार मेडिकल रिपोर्टों में हेराफेरी करने का दबाव डाला। जब उसने मना किया, तो उसे धमकी दी गई।

डॉक्टर और पुलिस के बीच टकराव के कुछ कारण थे। आरोपी व्यक्तियों की पुलिस हिरासत सुनिश्चित करने के लिए फिटनेस सर्टिफिकेट और पोस्टमॉर्टम रिपोर्टों में हेराफेरी का दबाव डाला जा रहा था। 19 जून 2025 को फलटण के उप-विभागीय पुलिस अधिकारी को पत्र लिखा गया था। डॉक्टर ने पुलिस अधिकारियों के उपनामों का उपयोग करते हुए शिकायत की कि उसे आरोपी व्यक्तियों के लिए फिटनेस प्रमाणपत्र जारी करने का दबाव डाला जा रहा था। नामित अधिकारियों में पुलिस सब-इंस्पेक्टर गोपाल बडने भी शामिल थे, जिन पर उसने बलात्कार का आरोप लगाया था। जब उसकी शिकायत की अनदेखी की गई, तो 13 अगस्त को डॉक्टर ने एसडीपीओ को आवेदन दायर किया।

लाल निशान से मची खलबली, बढ़ी दुकानदारों के दिल की धड़कन

फिरोजाबाद , एजेंसी।
यूपी के फिरोजाबाद में सर्विस रोड के दोनों ओर सौंदर्यीकरण के अलावा चौड़ीकरण के कार्य की शुरुआत हो गई है। प्रथम चरण में अपनी हद से बाहर आने वाली दुकानों का चिन्हीकरण किया जा रहा है जिनकी तोड़फोड़ की जाएगी। इसके पश्चात अन्य कार्य तेजी से शुरू किए जाएंगे।

नगर निगम की देख-रेख में कार्यदायी संस्था आगरा की जय बिल्डर्स एवी डेवलपमेंट कंपनी ने लगभग एक दर्जन से अधिक दुकानों का चिन्हीकरण किया। चिन्हीकरण के कार्य से दुकानदारों में खलबली मच गई है। शुक्र वार को इस संबंध में लोग तरह-तरह की चर्चाएं करते देखे गए। सर्विस रोड पर सेंट्रल बैंक से लेकर वीनस ऑटो सेंटर तक

सौंदर्यीकरण का कार्य किया जाना सुनिश्चित किया है। जिसको लेकर काफी समय पूर्व बोर्ड बैठक में प्रस्ताव पारित होने के बाद इसे शासन के समक्ष भेजा था। शासन की स्वीकृति के बाद टेंडर प्रक्रिया के पश्चात इसकी जिम्मेदारी आगरा की जय बिल्डर्स एवी डेवलपमेंट कंपनी को सौंपी गई है। शुक्रवार को कंपनी के ठेकेदार सूरज सिंह के नेतृत्व में संस्था की टीम ने अपने कार्य को अंजाम दिया।

सर्विस रोड के दोनों ओर सेंट्रल बैंक से लेकर वीनस ऑटो तक सड़क का चौड़ीकरण, अंडरग्राउंड विद्युत केबल, ओवरब्रिज के नीचे सौंदर्यीकरण, अतिक्रमण हटाने के अलावा सड़कों का उच्चीकरण, जल भराव की समस्या का निदान एवं अन्य कार्य संपन्न कराए जाएंगे।

सर्विस रोड के इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट एण्ड अपग्रेडेशन के कार्य पर लगभग 25 लाख की धनराशि खर्च होगी। उपरोक्त धनराशि को शासन द्वारा पहले ही नगर निगम के निर्माण विभाग को अवमुक्त किया जा चुका है।

बेवजह नहीं की जाएगी तोड़फोड़। निर्देश के तहत कहा है कि उन्हीं दुकानों का चिन्हीकरण किया जा रहा है जो नाले के ऊपर अथवा सड़क पर बनाई गई हैं। नगर निगम निर्माण विभाग के सहायक अभियंता प्रेमपाल सिंह ने कहा कि शासन के निर्देश पर सर्विस रोड के इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट एण्ड अपग्रेडेशन का कार्य शुरू हो गया है।

बस के अंदर रखे 234 मोबाइलों से भड़की आग? कूरनूल हादसे को लेकर चौंकाने वाला दावा

हैदराबाद, एजेंसी।
आंध्र प्रदेश के कुरनूल में में आग लगने की घटना की जांच जारी है। इस बीच एक चौंकाने वाला दावा सामने आया है। इसके मुताबिक बस के अंदर रखे गए 234 मोबाइलों के चलते आग इतना ज्यादा भड़की। बता दें कि आंध्र प्रदेश के कुरनूल से बेंगलुरु जा रही निजी बस में आग लगने के चलते 20 लोग जिंदा जल गए। यह हादसा सुबह के समय हुआ, जब बड़ी संख्या में यात्री नींद में थे।

बस हादसे को लेकर तेजी से जांच की जा रही है। एनडीटीवी की रिपोर्ट के मुताबिक बस में करीब 46 लाख रुपए की कीमत के 234 स्मार्टफोन का कंसाइनमेंट रखा था। जानकारी के मुताबिक यह कंसाइनमेंट हैदराबाद के व्यापारी का था। व्यापारी का नाम मगननाथ बताया गया है। रिपोर्ट में फॉरेंसिक एक्सपर्ट का हवाला देते हुए कहा गया है कि स्मार्टफोन की बैटरियों में होते धमाकों के चलते आग और ज्यादा भड़क उठी।

पुलिस ने इस मामले में दोनों बस ड्राइवरों के लापरवाही और ओवरस्पीड का मामला दर्ज किया है। यह केस हादसे में बचे एक यात्री एन रमेश की शिकायत पर दर्ज किया गया है। बस में दो ड्राइवर थे। इसमें एक 30 वर्षीय सिवा नारायण है। हालांकि हादसे के वक्त वह बस चला नहीं रहा था। वहीं, बस चला रहा लक्ष्मैया हादसे के बाद वहां से फरार हो गया। फिलहाल सिवा नारायण

पुलिस हिरासत में है।गौरतलब है कि आंध्र प्रदेश के कुरनूल में एक दोपहिया वाहन से टक्कर के बाद, निजी बस में शुक्रवार को आग लग गई। इससे 20 लोगों की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक टक्कर के बाद मोटरसाइकिल बस के नीचे कुछ दूरी तक घिसटती रही और इस बीच उसकी पेट्रोल टंकी का ढक्कन खुल गया जिससे आग लग गई। हादसे में अधिकतर शव इतने जल चुके थे कि उनकी पहचान नहीं की जा सकी। उनमें दो बच्चे और मोटरसाइकिल सवार भी शामिल हैं। इस हादसे में नौ लोग घायल हुए हैं।

बिग बॉस फेम तान्या मित्तल के खिलाफ थाने में शिकायत

ग्वालियर , एजेंसी। बिग बॉस फेम तान्या मित्तल एक बार फिर सुर्खियों में हैं। इस बार वजह मनोरंजन नहीं बल्कि एक विवाद है। ग्वालियर में उनके खिलाफ पोटाश गन चलाने का वीडियो वायरल होने के बाद शिकायत दर्ज कराई गई है। दरअसल, ग्वालियर निवासी शिशुपाल सिंह कंषाना ने एएसपी अनु बेनीवाल को इस वीडियो की शिकायत की है। शिकायत में उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश और कलेक्टर रुचिका चौहान द्वारा जारी आदेशों का उल्लेख करते हुए एफआईआर की मांग की है।वायरल वीडियो में तान्या मित्तल को पोटाश यानी कार्बाइड गन चलाते हुए देखा जा सकता है। यह वही गन है जिसके इस्तेमाल पर ग्वालियर कलेक्टर ने धारा 163 के तहत पूर्ण प्रतिबंध लगाया है। तान्या मित्तल का वीडियो सामने आने के बाद एएसपी ने जांच के आदेश दिए हैं। एएसपी के आदेश के बाद मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

बताया जा रहा है कि प्रदेश में अब तक 300 से ज्यादा लोग ऐसे मामलों में अपनी आंखों की रोशनी गंवाने की कगार पर हैं। इसलिए इन गनों की बिक्री, खरीद और प्रदर्शन पर रोक लगा दी गई है। एएसपी अनु बेनीवाल ने बताया कि शिकायत की जांच के लिए साइबर टीम को निर्देश दे दिए गए हैं और मामले

की गंभीरता से जांच की जा रही है। जांच के बाद आरोपी पाए जाने पर कार्रवाई हो सकती है।

आपको बता दे कि वर्तमान में तान्या मित्तल बिग बॉस शो में नजर आ रही हैं, लेकिन सोशल मीडिया पर यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। लोग सुरक्षा और जिम्मेदारी को लेकर सवाल उठा रहे हैं। ऐसे में अब देखना यह होगा कि जांच के बाद तान्या मित्तल पर क्या कार्रवाई होती है। क्या यह मामला सिर्फ सोशल मीडिया विवाद बनकर रह जाएगा, या फिर

डेढ़ लाख मांगने वाला भ्रष्ट लेखपाल को प्रशासन ने किया निलम्बित

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

जिले की तहसील गभाना में पैमाइश के नाम पर भ्रष्टाचार का खेल का पर्दाफाश किया गया है। तहसील मे लेखपाल ने गलत पैमाइश को सही करने के लिए एक लाख रुपए रिश्वत लेने का मामला प्रकाश में आया है। फिर भ्रष्ट लेखपाल की जिज्ञासा शांत नहीं हुई और किसान से 50 हजार रूप्ये की मांग कर ड़ाली। लेखपाल की कारगुजारी से परेशान किसान ने लेखपाल की बातचीत को मोबाइल फोन में रिकॉर्ड कर लिया और ऑड़ियो और वीड़यो को सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया।

तहसील गभाना में एक किसान की जमीन का पहले लेखपाल द्वारा गलत पैमाइश की गई, फिर उसे सही करने के लिए एक लाख रुपए रिश्वत ली गई। इसके बाद भी और 50 हजार मांगा जा रहा था। रिश्वत बरौली के हल्का लेखपाल भानुप्रताप मांग रहा था। किसान ने उसका वीडियो और ऑडियो रिकॉर्ड कर लिया। सोशल मीडिया पर वीडियो ऑडियो वायरल होते ही प्रशासनिक अमले में हड़कंप मच गया।

लेखपाल को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। बरौली निवासी किसान मनोज सिंह नेहाल ही में अपर जिलाधिकारी (एडीएम) प्रशासन पंकज कुमार से शिकायत की थी कि हल्का लेखपाल भानुप्रताप ने उनकी निजी कृषि भूमि की पैमाइश जानबूझकर ग़लत कर दी है। किसान ने आरोप लगाया कि उनकी क़रीब चार सौ वर्गगज ज़मीन को बगल में स्थित पुलिस चौकी की भूमि में मिला दिया गया। जब किसान ने इस ग़लत पैमाइश को ठीक करने के लिए लेखपाल से संपर्क किया, तो पहले

तो लेखपाल ने सही पैमाइश करने से मना कर दिया। फिर रुपए मांगने लगा।

शिकायत में मनोज सिंह ने बताया कि ग़लत पैमाइश को सही करने के लिए लेखपाल भानुप्रताप ने उनसे एक लाख रुपए की रिश्वत ली। इसके बावजूद जब सही पैमाइश नहीं हुई तो लेखपाल ने किसान से पचास हजार रुपए और देने की मांग की। किसान ने जब रिश्वत मांगते लेखपाल से हुई बातचीत के कुछ ऑडियो और वीडियो सोशल मीडिया पर डाला तो हड़कंप मच गया। रिश्वतखोरी और मनमानी की इस घटना ने पूरे तहसील प्रशासन को सवालों के घेरे में ला दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए एडीएम प्रशासन पंकज कुमार ने तत्काल एसडीएम गभाना हरिश्चंद को इस पूरे प्रकरण की विश्तृत और त्वरित जांच के निर्देश दिए। एसडीएम गभाना ने बताया कि तहसीलदार द्वारा की गई प्रारंभिक जांच में लेखपाल भानुप्रताप सिंह प्रथम दृष्ट्या दोषी पाए गए हैं। भ्रष्टाचार के इस गंभीर आरोप की पुष्टि होते ही लेखपाल को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

एसडीएम ने आगे बताया कि इस पूरे प्रकरण की विश्तृत विभागीय जांच शुरू कर दी गई है। इसका जिम्मा नायब तहसीलदार रतन कुमार को सौंपा गया है। यह कार्रवाई स्पष्ट करती है कि सरकारी कामकाज में किसी भी तरह की धांधली और भ्रष्टाचार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रशासन ने किसान को आश्वासन दिया है कि उनकी ज़मीन की सही पैमाइश सुनिश्चित की जाएगी और दोषी लेखपाल के खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

इस घटना ने व राजस्व विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार और पैमाइश के खेल को उजागर भी कर दिया है। अगर लेखपाल एक लाख में ही संतोष कर लेता तो मामला उजागर ही नहीं होता। अब किसानों ने लेखपाल के पिछले कारनामों की जांच के साथ ही अन्य लेखपालों की भी जांच की मांग मुखर करने की तैयारी कर ली है।

सरकार किसानों को बेहतर सिंचाई सुविधा देने हेतु पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है :कोल विधायक

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

सरकार द्वारा प्रत्येक वर्ष नहरों की सिल्ट सफाई का कार्य रबी की फसल से पहले कराया जाता है। इसी कम में आगामी रबी की फसल के लिए नहरों की सिल्ट सफाई के कार्यों का शुभारम्भ हो गया। कोल विधायक अनिल पाराशर ने जुल्लूपुर सिहौर के पास हाईवे कासिंग पर पहुँचकर विधिवत हवन पूजा के उपरान्त फीता काटकर सिंचाई विभाग द्वारा नहरों पर कराये जा रहे सिल्ट सफाई के कार्यो का शुभारम्भ किया गया।

इससे पूर्व अधिशासी अभियन्ता सिंचाई राजेन्द्र कुमार ने कोल विधायक श्री अनिल पाराशर का फूलों का गुलदश्ता देकर और माला पहनाकर स्वागत किया एवं कार्यक्रम में अपना बहुमूल्य समय देने के लिए आभार प्रकट किया। इसके बाद मौके पर मौजूद सभी लोगों ने नहरों की सिल्ट सफाई का कार्य सकुशल सम्पन्न होने एवं उसका भरपूर लाभ किसानों को प्राप्त होने की कामना के साथ हवन में सामग्री की आहूति दी गई। बाद में कोल विधायक ने फीता काटकर कार्यों का शुभारम्भ किया गया। मौके पर अधिशासी अभियन्ता, सिंचाई ने राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप नहरों की सिल्ट सफाई के कार्य को गुणवत्तापूर्ण रूप से सम्पन्न कराने का आश्वासन दिया गया तथा स्थानीय जनप्रतिनिधियों और किसानों को कार्य में सहयोग प्रदान करने का आह्वान किया गया। कार्यकम में योगेन्द्र पाल सिंह (लालू) पूर्व ब्लॉक प्रमुख धनीपुर, राधेश्याम मण्डल मंत्री भा०ज०पा०, पिंकू सहायक अभियन्ता एवं सिंचाई विभाग के अन्य कर्मचारी मौके पर मौजूद थे।

शादी समारोह में शामिल होने आ रहे व्यक्ति की हादसे में मौत

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷। भतीजे की शादी में शामिल होने नहटौर आ रहे परिवार की कार बड़ौदा के पास दुर्घटनाग्रश्त होने पर मौलाना मुजाहिद कासमी की मौत हो गई। जबकि उनका परिवार घायल हो गया। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्राप्त समाचार के अनुसार नगर के मौहल्ला दरबार सादात निवासी मौलाना मुजाहिद कासमी कुछ वर्ष पूर्व मुम्बई चले गए थे। वह मुम्बई में रह रहे थे। शनिवार को नहटौर में भतीजे की शादी में शामिल होने के लिए वह परिवार सहित कार से नहटौर आ रहे थे। बताया जाता है कि राश्ते में बड़ौदा के पास उनकी कार दुर्घटनाग्रश्त हो गई। कार एकपेड़ पर जा चढ़ी। कार में सवार उनकी पत्नी व अन्य सदस्य भी घायल हो गए। उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया। मौलाना मुजाहिद कासमी की सड़क दुर्घटना में मौत का पता चलने पर नगर में शोक छा गया।

नहाते समय किशोर हुआ बेहोश

✷ एनसीआर टुडे. अफजलगढ़ ✷। मोहल्ला गौहर अली अली खा निवासी सनी गुप्ता के 8 वर्ष के बेटे के अचानक नहाते समय बेहोश हो गया जिसकी सूचना उनकी पत्नी वर्तमान सभासद कृपा गुप्ता ने दी परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार उनका बेटा अभी गुप्ता नहाने के लिए बाथरुम में गया बाथरूम से कुछ देर ना आने के बाद उसकी कृपा गुप्ता ने रोशनदान से झांक कर देखा तो अभी गुप्ता बेहोश पड़ा था आनंन फानन मे परिजन लाइफ लाइन हॉस्पिटल में ले गयीं जहा डॉक्टर ने हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया मिली जानकारी के मुताबिक वर्तमान में के वी आर हॉस्पिटल काशीपुर में इलाज चल रहा है स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है

नाबालिग से छेड़खानी का आरोप, पुलिस ने आरोपी पर पॉक्सो एक्ट में केस दर्ज

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर/रेहड़ ✷। थाना रेहड़ क्षेत्र के एक गांव में नाबालिग लड़की से छेड़खानी का मामला सामने आया है। लड़की के पिता की शिकायत पर पुलिस ने गांव के ही एक युवक के खिलाफ पॉक्सो एक्ट सहित संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पीड़ित पिता ने पुलिस को बताया कि उनकी 15 वर्षीय बेटी रोजाना गांव से स्कूल, भगतावाला पढ़ने जाती है। गांव का युवक मनीष स्कूल आते-जाते उनकी बेटी का पीछा करता था। आरोपी मनीष उस दौरान उनकी बेटी के साथ अभद्रता करता और अश्लील बातें कहता था। पिता के अनुसार, समझाने के बावजूद आरोपी लगातार नाबालिग को परेशान कर रहा था। इसके बाद पीड़ित पिता ने पुलिस में तहरीर देकर आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। थानाध्यक्ष विकास कुमार ने पुष्टि की है कि आरोपी मनीष के विरुद्ध पॉक्सो एक्ट और अन्य सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है। मामले में आगे की कार्रवाई जारी है।

शमशान घाट पर दिखा 15 फीट लंबा अजगर, नगरवासी दहशत में — वन विभाग की देरी पर नाराजगी

✷ एनसीआर टुडे. झालू ✷। नगर के शमशान घाट पर रविवार सुबह करीब 15 फीट लंबा विशालकाय अजगर दिखाई देने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत भारतीय किसान यूनियन के नेता धर्मेंद्र चौधरी को इसकी जानकारी दी। उन्होंने तत्काल वन विभाग को घटना की सूचना दी। लेकिन सूचना मिलने के बावजूद वन विभाग की टीम दो से तीन घंटे बाद मौके पर पहुंची, जिससे लोगों में आक्रोश फैल गया। जब देरी के बारे में झालू क्षेत्र वन विभाग के दरोगा से फोन पर बात की , तो उन्होंने बताया कि वे उस समय गंज क्षेत्र में थे । सांप पकड़ने वाला विशेषज्ञ अवकाश पर था। स्टाफ की कमी के चलते देर हुई।, हालांकि विभाग ने बाद में अपने कर्मचारियों को मौके पर भेजा। देर शाम तक वन विभाग की टीम में दरोगा मदनपाल अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और अजगर को सुरक्षित रूप से पकड़ लिया। विभाग के अधिकारियों ने बताया कि सांप को जंगल में छोड़ा जाएगा। इस घटना के बाद नगरवासियों ने राहत की सांस ली।, लेकिन साथ ही वन विभाग से भविष्य में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग भी की।

देशी शराब लेने आये दो युवकों ने सेल्समैन पर की फायर

✷ एनसीआर टुडे. किरतपुर ✷। देशी शराब के ठेके पर शराब लेने आये दो युवकों को सेल्समैन द्वारा शराब न देने पर गुस्साए युवकों ने जान से मारने की नियत से सेल्समैन पर तमंचे से फायर झोंक दिया। गनीमत रही कि सेल्समैन ने ठेके का दरवाजा बंद कर लिया और जान बच गई। सेल्समैन ने दो युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। क्षेत्राधिकारी नीतेश प्रताप सिंह ने मुकदमा दर्ज करने की पुष्टि की है। शनिवार की सांय लगभग पौने चार बजे गांव स्वाहेड़ी निवासी डब्बल उर्फ आशु पुत्र लाखन अपने साथी अनुप पुत्र सुद्दे के साथ पड़ोस के गांव बूढ़पुर नैन सिंह में स्थित देसी शराब के ठेके पर पहुंचे और उन्होंने सेल्समैन रुपेन्द्र सिंह से उधार शराब मांगी, उधार शराब न देने पर डब्बल ने जान से मारने की नियत से रुपेन्द्र पर फावड़े से वार किया मगर सेल्समैन ने दरवाजा बंद कर लिया। जिससे वह बच गया। आरोप है कि डब्बल और अनुप पुनः पांच बजे मोटर साइकिल से ठेके पर आये। उन्होंने गालियां देते हुए जान से मारने की नियत से तमंचे से फायर झोंक दिया। रुपेन्द्र ने बताया कि दरवाजा बंद था जिस कारण जान बच गई। जाते समय अनुप ने भी तमंचे से फायर झोंक दिया।

राष्ट्रपति ने किया 1200 बेड के अस्पताल का उद्घाटन

- जान है तो जहान है, स्वास्थ्य का रखना विशेष ध्यान: राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू
- ''शरीर माध्यम अनुधर्म साधनम'': मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ
- स्वास्थ्य की बेहतरीन सुविधाएं के लिए अब लोगों को भटकने की आवश्यकता नहीं: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ
- जब देश का हर नागरिक स्वस्थ्य होगा तभी हमारा देश सशक्त व शक्तिशाली बनेगा: रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने उत्तर भारत के एडवांस्ड और सस्टेनेबल मल्टी-स्पेशलिटी हेल्थकेयर सेंटर्स में से एक ग़ाज़ियाबाद के इंदिरापुरम स्थित अस्पताल का उद्घाटन किया।

इस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, उपमुख्यमंत्री तथा चिकित्सा शिक्षा कैबिनेट मंत्री ब्रजेश पाठक, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल सहित कई राष्ट्रीय और राज्य श्तर के मंत्री और जनप्रतिनिधि व अन्य विशिष्ट अतिथि भी उपस्थित रहे।

तदोपरांत माननीय अतिथियों द्वारा अस्काप्ताल का भ्रमण किया गया। इंदिरापुरम, गाजियाबाद में 8 एकड़ से भी ज्यादा क्षेत्र में फैला यह अस्पताल नए जमाने के हेल्थकेयर इनोवेशन का एक बेहतरीन उदाहरण है। इस हॉस्पिटल में 1200 बेड्स हैं और 65 से ज्यादा स्पेशलिटीज हैं।

शॉल, शंख और प्रतीक चिन्ह भेंट कर किया अतिथियों का स्वागत सम्मान

अस्पताल, इंदिरापुरम के प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम के दौरान डॉक्टर द्वारा स्वागत सम्बोधन कर, सभी गणमान्य अतिथियों को शॉल, शंख और प्रतीक चिन्ह भेंट कर स्वागत सम्मान किया गया। तदोपरांत निजी अस्पतालसे सम्बंधित एक शॉट वीडियों दिखाई गयी।

राष्ट्रपति ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि अस्पताल खुलने पर मैं आप सभी को बधाई देती हूं। मुझे आशा है कि आप लोगों के द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं में पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ कार्य किया जायेगा जिसका लाभ सभी नागरिकों को प्राप्त हो। साथ ही सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का भी लाभार्थियों को यहां से लाभ प्राप्त हो ऐसी मुझे आशा है।

मुझे खुशी है कि एक छत के नीचे स्वास्थ्य सम्बंधित विभिन्न सेवाओं को लाभ हो सकेंगा। यह एडवांस्ड, सस्टेनेबल और करुणामय हेल्थकेयर के नए युग की शुरूआत है। उन्होने कहा कि जान है तो जहान है, स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखना है, इसके लिए आधुनिक सेवाओं की बेहद आवश्यकता है।

इसी क्रम में यह मेडिसिटी बनाया गया है। सभी लोग अपने कार्य को बेहतरीन तरीके से करें जिससे लाभार्थी को अच्छी सेवाएं और सुविधाऐं प्राप्त हो सके।

नए भारत के लक्ष्य पाने के प्रयास का अस्पताल का एक हिस्साः मुख्यमंत्री

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में नए भारत के अन्दर भारत के युवाओं को उन्ही के क्षेत्र में रोजगार प्राप्त हो सके उस दिशा में प्रयास किए जाने वाले प्रयास है। उन्होने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्रों में बेहतरीन कार्य हुआ हैं, जिसके क्रम में उत्तर प्रदेश में पिछले 08 वर्षों में 42 नए मेडिकल कॉलेज बनाए गए है, 2 एम्स बने है गोरखपुर व रायबरेली में, जो कि सफलातापूर्वक संचालित हैं।

सुपर स्पेशलिटी के तमाम संस्थान उत्तर प्रदेश में स्थापित हुए हैं जिनके माध्यम से उत्तर प्रदेश के 25 करोड़ नागरिकों को लाभ प्राप्त हो रहा है। उन्होने कहा कि ''शरीर माध्यम अनुधर्म साधनम'' अर्थात जीवन का जो भी उदेश्य है वो स्वस्थ शरीर से ही पूरा हो सकता है और स्वस्थ शरीर के लिए स्वास्थ्य की बेहतरीन सुविधाएं भी आवश्यक है, बेहतरीन सुविधाओं के लिए डॉक्टर द्वारा मां के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए आज एक नया उपहार है।

यह उपहार न केवल उत्तर प्रदेश बल्कि एनसीआर से जुडे हुए उन सभी लोगों के लिए है, जिन्हे महंगी स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए भटकना पड़ता है और दिल्ली जाना पड़ता है। अब उन्हें यह सभी सुविधाएं एक ही छत के नीचे मिलेंगी। जनपद गाजियाबाद, एनसीआर सहित पूरे उत्तर प्रदेश के लिए प्रसन्नता का विषय है।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि डॉक्टर ने अपनी माता की मृत्यु बाद उनके नाम पर स्वास्थ्य सेवाएं शुरू की और आज उनके नाम से यह अस्पताल बनाया है। उनकी मंशा है कि किसी भी व्यक्ति की बीमारी से मृत्यु ना हो, जिसके लिए वह लगातार प्रयासरत हैं। कार्यक्रम का शुभारम्भ व समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। कार्यक्रम में कई राष्ट्रीय/राज्य श्तर के मंत्री और जनप्रतिनिधि व अन्य विशिष्ट अतिथि भी उपस्थित रहे।

मोबाइल पर प्रेम, फिर बलैकमेलिग हिना की मौत

प्रेमी कार एवं चाकू के साथ गिरफ्तार, साथी फरार

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

महिला की हत्या के मामले में सर्विलांस की सहायता से स्वाट टीम व नगीना पुलिस ने 24 घंटे में हत्या का खुलासा करते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। जबकि फरार हुए दूसरे साथी की तलाश में पुलीस टीम लगाई गई है। हत्या में प्रयोग की गई कार व चाकू को भी पुलिस ने बरामद कर लिया है।

23/ 24 अक्टूबर की रात को थाना क्षेत्र के ग्राम जीतपुर पडली में सड़क किनारे गन्ने के खेत मे खून से लथपथ गर्दन रेती महिला की लाश मिली थी। शव की शिनाख्त नहटौर की एक विवाहिता हिना के रुप में हुई थीं। परिजनों ने विवाहिता की हत्या की आशंका जताई थीं।

महिला के पति नजाकत निवासी नगीना की ओर से पुलिस को उसकी पत्नी की हत्या करने के मामले की तहरीर दी गई थी। मौके पर फॉरेंसिक टीम, अपर पुलिस अधीक्षक व सीओ नगीना ने भी घटनास्थल का मौका मुयाना कर नगीना पुलिस को आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए तत्काल घटना का खुलासा करने के निर्देश दिए थे। नगीना पुलिस के थाना प्रभारी अवनीत मान व हल्का प्रभारी सर्वेज खान ने सभी पहलुओं पर जांच करते हुए। सर्विलांस व स्वाट टीम के सहयोग से मृतका के पति की तहरीर के आधार पर 24 घंटे में ही घटना का खुलासा करते हुए माजिद उर्फ बंटी पुत्र खुर्शीद मोहल्ला कस्साबान कोतवाली शहर बिजनौर को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने गिरफ्तार किए गए युवक से जब शक्ति से पूछताछ की तो उसने सारी घटना का खुलासा कर दिया ।पुलिस ने बताया कि पकड़े गए युवक ने बताया है कि उसके हिना से मोबाइल पर प्रेम संबंध हो गया था।

वह उसे बार बार ब्लैकमेल करती रहती थी और उससे लाखों रुपए ऐंठ लिए थे। बार-बार परेशान करने से तंग आकर उसने हत्या की योजना बना ली और अपने साथी सुल्तान पुत्र इकबाल मोहल्ला शाहचंदन कस्बा चांदपुर के साथ मिलकर उसकी हत्या कर शव को जीतपुर पडली के पास गन्ने के खेत में डाल दिया था।

पुलिस ने घटना का सफल अनावरण करते हुए माजिद उर्फ बंटी को गिरफ्तार कर हत्या में प्रयोग करने वाली कार व चाकू भी बरामद कर लिया। उसके दूसरे साथी सुल्तान को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस टीम लगा दी है। थाना प्रभारी अवनीत मान ने बताया कि उसके दूसरे साथी को भी शीघ्र गिरफ्तार कर जेल भेज दिया जाएगा।

भाकियू महाशक्ति के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर धर्मेंद्र सिंह को फोन पर मिली जान से मारने की धमकी

✷ एनसीआर टुडे. अफजलगढ़ ✷

भारतीय किसान यूनियन महाशक्ति के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर धर्मेंद्र सिंह को फोन पर 24 घंटे मे जान से मारने की धमकी मिलने को लेकर जनपद बिजनौर कार्यकारणी संगठन के कार्यकर्ताओ में बेहद आक्रोश है, भाकियू महाशक्ति के जिलाध्यक्ष आमिर पठान ने बुलंदशहर जिला प्रशासन से धमकी देने वाले व्यक्ति को गिरफ्तार करने तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष को सुरक्षा देने की मांग की।

उधर भारतीय किसान यूनियन महाशक्ति के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर धर्मेंद्र सिंह ने कोतवाली बुलंदशहर के कोतवाल को अज्ञात के विरुद्ध तहरीर देकर कार्यवाही की मांग की गई है, पुलिस फोन नंबर के आधार पर आरोपी की पहचान करने में जुटी हुई है।

भाकियू महाशक्ति के राष्ट्रीय अध्यक्ष को किसानों का हितैषी और प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता माना जाता है, उत्तर प्रदेश में ही नहीं बल्कि देश के कई राज्यों में अल्प समय में मज़बूत संगठन खड़ा कर किसानों की विभिन्न समस्याओं को शासन व प्रशासन के समक्ष रखकर उनका निदान कराने मे ठाकुर धर्मेंद्र सिंह की मुख्य भूमिका रही है, गौरतलब है कि बुधवार देर शाम उनके मोबाइल पर अज्ञात व्यक्ति द्वारा 24 घंटे में जान से मारने की धमकी दी थी राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बताया कि दो बार तो आरोपी का फोन ये समझ कर उठा लिया। कहीं कोई मज़ाक कर रहा है लेकिन आरोपी द्वारा दी जा रही धमकी के सुर न बदलने पर उसका फिर से फोन नहीं उठाया और सारे मामले की जानकारी नगर कोतवाली पुलिस को देते हुए आरोपी के विरुद्ध तहरीर दी गई है।

जिसमे सुरक्षा करने व आरोपी के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की मांग की है, बताया जाता है कि जिस नंबर से राष्ट्रीय अध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार के मोबाइल पर जान से मारने की धमकी भरा फोन आया था। वह किसी अंकित कुमार कसाना जनपद गौतमबुध्द नगर के नाम पर आवंटित है। इस अवसर पर जनपद बिजनौर भाकियू महाशक्ति की समश्त कार्यकारणी मोजूद थी।

हिन्दू सुरक्षा सेवा संघ द्वारा स्वामी प्रसाद का पुतला फूंका गया

✷ एनसीआर टुडे. धामपुर ✷

स्वामी प्रसाद मौर्य द्वारा सनातन धर्म एवं लक्ष्मी पूजन पर की गई विवादित टिप्पणी से सनातनियों में भारी आक्रोश व्याप्त है। जिसके चलते आज हिंदू सुरक्षा सेवा संघ के कार्यकर्ता नगीना मार्ग स्थित श्री रामलीला मैदान के समीप एकत्रित हुए। जोरदार प्रदर्शन करते हुए स्वामी प्रसाद मुर्दाबाद, भारत माता की जय, सनातन धर्म विरोधी होश मे आयो के जोरदार नारे लगाकर विरोध प्रदर्शन किया।

नगीना चौक पहुंचे जहाँ स्वामी पैसाद मौर्य का पुतला फूंका। इस दौरान मंडल अध्यक्ष उमेश चौहान ने पुतले पर लाठियां बरसाई और कार्यकर्ताओं ने जूते चप्पल से पुतले की पिटाई कर अपना क्रोध जाहिर किया। !जिला महामंत्री टिंकू विश्वकर्मा ने बताया कि स्वामी प्रसाद मौर्य लगातार सनातन धर्म के देवी देवताओं के विरुद्ध अमर्यादित भाषा के साथ अभद्र टिप्पणी कर सनातनी समाज की भावनाओं के साथ खिलवाड़ करने का कार्य कर रहे हैं। जिसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा ! कार्यकर्ताओं ने कोतवाली पुलिस धामपुर को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम ज्ञापन सौंपकर स्वामी प्रसाद मौर्य के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई तो संगठन प्रदेश भर मे आंदोलन करेगा। जिसकी पूर्ण जिम्मेदारी शासन प्रशासन की रहेगी। इस दौरान मनोज चौहान, अमित यादव, नितिन चौहान, तुषार चौहान, सुरेंद्र चौहान, सौरभ शर्मा, अंकित कुमार, लव गिरी, अंकुर गिरी, महेंद्र प्रताप, सौरभ कुमार, मिथुन कुमार, राजवीर सिंह सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

लड़की देखकर लौटते समय कार की टक्कर से मामा-भानजा घायल-दीपक की मौत

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

पिता पुत्र और फुफेरे भाई के साथ एक ही बाइक पर नजीबाबाद से लड़की देख कर वापस अपने घर आते समय जैसे ही अपने गांव पुरेनी की ओर मुड़े तो धामपुर की दिशा से आ रही बैगनार कार ने जोरदार टक्कर मार दी। जिससे बाइक पर सवार तीनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने राहगीरो की सहायता से एंबुलेंस द्वारा सीएचसी नगीना पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने एक को मृत घोषित करते हुए दो को प्राथमिक उपचार के बाद बिजनौर रेफर कर दिया। वही वैगनार चालक गाड़ी छोड़ फरार बताया जाता है। उक्त घटना से परिजनों में कोहराम मचा गया। पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बिजनौर भेजने की तैयारी कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पुरैनी निवासी राजेश कुमार 65 वर्ष पुत्र राघव सिंह अपने पुत्र दीपक कुमार 28 वर्ष व अपने भांजे शिवा 25 वर्ष पुत्र ऋषिपाल निवासी शेरकोट को साथ लेकर एक ही बाइक द्वारा नजीबाबाद अपने पुत्र दीपक के लिए लड़की देखने गए थे। बताया जाता है कि जब वह लड़की देख कर पुरैनी वापस आ रहे थे तो बातों बातों में वह पुरैनी से थोड़ा आगे निकल गए ।जैसे ही सैदपुरी की पुलिया पर पहुंचे तो बाइक चला रहे दीपक ने अपनी बाइक पुरैनी की ओर घुमाई तो पीछे से धामपुर की ओर से आ रही वैगनार कार ने जोरदार टक्कर मार दी। जिससे तीनों बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने आनन फानन में एंबुलेंस द्वारा सीएचसी नगीना पहुंचाया। जहां पहुंचते ही चिकित्सकों ने दीपक 28 वर्ष को मृत घोषित कर दिया, और राजेश व शिवा को गंभीर अवस्था में देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद बिजनौर भेज दिया। पुलिस ने मृतक के शव को अपने कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम हेतु बिजनौर भेजने की तैयारी शुरू कर दी। वही गाड़ी चालक गाड़ी वही छोड़ फरार बताया जाता है। पुलिस ने कार को अपने कब्जे में ले लिया है।

रोटरी क्लब सारथी ने मण्डावर में नि: शुल्क चिकित्सा शिविर का किया आयोजन

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

रोटरी क्लब सारथी, बिजनौर के तत्वावधान में नगर पंचायत मंडावर में रविवार को निःशुल्क स्वास्थ्य चिकित्सा शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लेने के लिए क्षेत्रवासियों में उत्साह देखने को मिला।

शिविर में कुल 276 मरीजों की जांच की गई, जिनमें से 132 महिलाएं तथा शेष पुरुष एवं बच्चे शामिल रहे। टीबी की जांच हेतु स्पूटम सैंपल भी लिए गए।

जांचों में सर्वाइकल, लंबर, सियाटिका, घुटना दर्द, शुगर, ईसीजी, लीवर, किडनी सहित अन्य कई बीमारियों की जांच की गई तथा मरीजों को आवश्यक परामर्श प्रदान किया गया।

स्वास्थ्य विभाग से कपिल कुमार एवं रामेंद्र कुमार उपस्थित रहे। फिजियोथैरिपी हेतु पवन चौधरी, तथा फिजिशियन, शुगर, ईसीजी एवं अन्य रोगों हेतु डॉ. पंकज त्यागी, डॉ. मीना त्यागी एवं मीतू कांत जर्मन ने सेवाएं दीं। मरीजों को सभी जांचें एवं दवाइयाँ निःशुल्क उपलब्ध कराई गईं।

इस शिविर के सफल आयोजन में नगर पंचायत मंडावर के चेयरमैन मोहम्मद आसिफ शान का विशेष सहयोग रहा तथा इन्हीं की प्रेरणा से यह स्वास्थ्य शिविर संपन्न हो सका।

रोटरी क्लब ने उनके सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। रोटरी क्लब सारथी की ओर से सभी सुविधाएं पूर्णतः निःशुल्क प्रदान की गईं।

शिविर के सफल संचालन में क्लब अध्यक्ष दीपक कुमार अग्रवाल, सचिव डॉ. अनुज त्यागी, कोषाध्यक्ष अनुराग गुप्ता, एवं सदस्य रोहित अग्रवाल, निरपेंद्र दहिया, हर्षित अग्रवाल, नितिन गर्ग आदि की उपस्थिति रही।

अज्ञात वाहन ने ली युवक की जान, बहन और भांजी की हालत गंभीर

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

नूरपुर जाने वाले मार्ग पर एक दर्दनाक सड़क हादसे में शिवाला कलां थाना क्षेत्र के एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि उसकी बहन और तीन साल की भांजी गंभीर रूप से घायल हो गईं। दुर्घटना को अंजाम देने के बाद अज्ञात वाहन चालक मौके से फरार हो गया।

शाम के वक्त मृतक के परिजन जब शव लेकर थाने पहुंचे और न्याय की मांग करते हुए हंगामा किया।, तब जाकर पुलिस प्रशासन हरकत में आया। पुलिस ने आनन-फानन में मामला दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और फरार वाहन की तलाश शुरू कर दी है।

घटना आज दोपहर लगभग 11:00 बजे की है। शिवाला कलां थाना क्षेत्र के गांव सेह निवासी अंकित कुमार (उम्र 27 वर्ष) पुत्र टेकचंद अपनी बहन प्रवेश कुमारी (उम्र 32 वर्ष) और भांजी काव्य (उम्र 3 वर्ष) के साथ अपनी मोटरसाइकिल से किसी काम के सिलसिले में नूरपुर जा रहे थे। जैसे ही वे नौगांव दौलतपुर मार्ग पर ग्राम मझोला के पास पहुंचे।, एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी।

डेढ वर्ष बाद कब्र से शव निकाल पोस्टमार्टम को भेजा

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

पत्नी की शिकायत पर प्रशानिक अधिकारियों ने पति के शव को कब्र से निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। गांव बैरमपुर खजूरी निवासी जमशेद (26) पुत्र तौकीर की करीब डेढ वर्ष पूर्व संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। 30 जुलाई को जमशेद की पत्नी फरहीन ने उपजिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर जमशेद के परिजनों पर कथित रूप से हत्या का आरोप लगाते हुए मौत का सही कारण जानने के लिए उसके शव का पोस्टमार्टम कराने की मांग की थी।

सार्वजनिक सूचना

एतद्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि स्वामी परमानन्द शिक्षा एवं सेवा समिति, ग्राम गनौली, डाक चिरोडी, जिला-गाजियाबाद का पंजीकरण सोसाइटीज रजिस्ट्रेशन एक्ट 1860 के अन्तर्गत पत्रावली-37246-एम पर दिनांकः 15.09.1998 को किया गया।

श्री हरीश भाटी उर्फ हरी चौधरी ने स्वयं को संस्था का अध्यक्ष दर्शाते हुए संस्था का नवीनीकरण कराये जाने हेतु प्रपत्र कार्यालय में प्रस्तुत किये हैं। प्रस्तुत प्रबन्ध समिति सूची वर्ष 2025-26 के अनुसार सर्वश्री चैनपाल सिंह उपाध्यक्ष, रूप चौधरी प्रबन्धक, जिले सिंह उपप्रबन्धक, विपिन चौधरी सचिव, भावना कोषाध्यक्ष, रामबीर सिंह, संदीप कुमार, नरेन्द्र सिंह उर्फ नीरू, हर्षिता सिंह, बिजेन्द्र सिंह नागर, सुधीर नागर, जयप्रकाश बंसल, नरेन्द्र कुमार चौधरी व प्रमोद बंसल सदस्य के रूप में दर्शाए गये है।

उक्त के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो वह सूचना प्रकाशित होने की तिथि से 15 दिनों के अन्दर अपनी आपत्ति प्रमाणों सहित कार्यालय डिप्टी रजिस्ट्रार, फर्म्स, सोसाइटीज एवं चिट्स, गाजियाबाद में प्रशुत कर सकता है। निर्धारित तिथि के उपरान्त प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार किया जाना सम्भव नहीं होगा।

आज्ञा से,
डिप्टी रजिस्ट्रार,
फर्म्स, सोसाइटीज एवं चिट्स,
गाजियाबाद

संपादकीय

देश आपातकाल से 5 दशक आगे

नई वैश्विक परिस्थितियों के बीच भारत के समकाल और देशकाल को देखना खासा दिलचस्प है। समाज, राजनीति और लोकतंत्र की बात करें तो देश आपातकाल से पांच दशक आगे निकल चुका है। यह भी कि इस वर्ष जब आखिरी विधानसभा चुनाव के रूप में बिहार में नई सरकार चुनी जानी है तो जयप्रकाश आंदोलन के भी पचास वर्ष पूरे हो रहे हैं। ऐतिहासिक रूप से बिहार इस आंदोलन का एक तरह से एपिक सेंटर था।

इन पांच दशकों में जरूर गंगा में बहुत पानी पानी बह चुका है, पर समय के इस बहाव के बीच कुछ चीजें स्थिर भी हुई हैं और वे नई मिसालें और मानदंडों के साथ हमारे समय में लोकनीति और विकास को व्याख्यायित कर रही हैं। इस बात की बड़ी अहमियत है कि जिस बिहार में आकर महात्मा गांधी ने सत्याग्रह का अमोघ अस्त्र देश-दुनिया को दिया, आज उस सूबे की धरती पर महिलाओं ने एक बड़ी मूक क्रांति को सच कर दिखाया है।

यह क्रांति महिला सशक्तीकरण की इकहरी समझ से आगे कई मायनों में सर्व-समावेशी है और इससे इस प्रदेश की महिलाओं के साथ ग्रामीण इलाकों में विकास और बदलाव का एक सर्वथा नया दौर सामने आया है। इस लिहाज से इन दिनों मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना की खासी चर्चा है। आकार के लिहाज से यह देश की ऐसी सबसे बड़ी योजना है, जिसने न सिर्फ सामाजिक बदलाव की जमीन को मजबूत किया है, बल्कि इसे महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन का सर्वथा नया दौर शुरू हुआ है। गौरतलब है कि बीते 26 सितंबर को जब यह योजना शुरू हुई तो 75 लाख से ज्यादा महिलाओं के बैंक खाते में दस-दस हजार पए ट्रांसफर किए गए। इसके कुछ ही दिन बाद 25 लाख और महिलाओं को इसमें जोड़ा गया और उनके भी खाते में पैसे पहुंचे। इस तरह 75 लाख का आंकड़ा देखते-देखते एक करोड़ पर पहुंच गया।

राज्य क्या देश के श्तर पर पर भी यह संख्या ऐतिहासिक तौर असाधारण है। महिलाओं को यह राशि स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता के लिए दी जा रही हैं। वश्तुतः चुनाव से पूर्व होने वाली तमाम तरह की अव्यावहारिक और हवाई घोषणाओं से अलग बिहार सरकार ने कैबिनेट श्तर पर बीते कुछ महीनें में कई अहम फैसले लिए हैं। इस क्रम में जो बड़ा फैसला राज्य सरकार ने किया है, वह है मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना। राज्य सरकार ने इस योजना को प्रदेश की महिलाओं की स्थिति और जरूरत को समझते हुए न सिर्फ फ्रेम किया, बल्कि इसके शीघ्र क्रियान्वयन को लेकर भी वह लगातार गंभीर रही। योजना के तहत जिन महिलाओं को दस हजार पए की मदद मिलीहै, उन्हें छह महीने बाद मूल्यांकन पर खरा उतरने पर दो लाख पए की अतिरिक्त सहायता दी जाएगी।

बात महिला सशक्तीकरण की हो रही है तो यह जान लेना जरूरी है बिहार में नीतीश सरकार की सबसे सफल योजनाओं में जीविका है। विश्व बैंक की मदद से वर्ष 2006 में शुरू इस योजना के बूते आज राज्य में एक करोड़ 40 लाख से अधिक महिलाएं 11 लाख स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से जीविका दीदी के रूप में पहचान बना चुकी हैं। ये महिलाएं सिलाई, बुनाई, कृषि, पशुपालन, किराना दुकान, मसाला निर्माण, मधुमक्खी पालन, बकरी पालन जैसे छोटे-छोटे उद्योगों के जरिए न केवल अपनी आमदनी बढ़ा रही हैं, बल्कि दूसरों को भी रोजगार दे रही हैं।

आज की तारीख में जीविका देश में महिला स्वरोजगार का सबसे बड़ा समूह है। मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना जीविका के ही मॉडल का विश्तृत रूप है। ऐसा इसलिए क्योंकि जीविका स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) से जुड़ी महिलाओं को ही इस योजना का लाभ मिल रहा है। इन महिलाओं को सरकार की आर्थिक मदद स्वरोजगार शुरू करने, छोटे-मोटे बिजनेस शुरू करने या वर्तमान में चल रहे व्यवसायों को बढ़ाने में सहायता के उद्देश्य से दी जा रही है। इससे बड़ी किसी योजना की सफलता और उपयोगिता क्या होगी कि इसके लिए 1.05 करोड़ जीविका दीदियों ने, जबकि 1.40 लाख से अधिक महिलाओं ने समूह से जुडने के लिए आवेदन किया।

जो लोग बिहार की राजनीतिक-सामाजिक स्थिति को कम से कम बीते दो दशकों से गौर से देख रहे हैं, वे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के इस विवेक की जरूर दाद देते हैं कि इन वर्षों में उन्होंने सूबे की महिलाओं को सिर्फ मतदाता नहीं रहने दिया, बल्कि उन्हें सामाजिक परिवर्तन की धुरी बनाया। भूले नहीं हैं लोग कि देश में मंडल और कमंडल की राजनीति के अमेध का घोड़ा एक साथ दौड़ा तो बिहार की जनता ने राजनीति से जुड़े सामाजिक सरोकारों का तार्किक चुनाव किया। इस मॉडल के नायक निस्संदेह बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार हैं, जिनकी मौजूदगी आज प्रदेश में हर राजनीतिक गठजोड़ के लिए अपरिहार्य बनी हुई है।

उनकी मौजूदगी एक तरफ सांप्रदायिकता के खिलाफ सद्भाव की राजनीति का आासन है, तो वहीं महिलाओं और अति पिछड़ों के कल्याण को लेकर बीते दो दशक में उन्होंने सफलता की एक लंबी पटकथा लिखी है। नए विकासवादी अभिप्रायों और लक्ष्यों के साथ बिहार को लेकर इस रूप में चर्चा का आज की तारीख में महत्व इसलिए भी है कि इससे विकास के साथ सामाजिक बदलाव के लक्ष्य को साधने वाली राजनीति की भूमिका नए सिरे से रेखांकित होती है। यह भूमिका हमारा ध्यान उस मूक क्रांति की तरफ ले जाती है जिसके बारे में बीते दो दशक में कैंब्रिज यूनिवर्सिटी से लेकर विश्व मुद्रा कोष तक ने विमर्श और समकालीन नैतिक दरकार के लिहाज से काफी कुछ कहा और लिखा है।

यहां तक कि दुनियाभर की सरकारों के बीच कोरोना महामारी के बाद यह नैतिक दरकार उनकी नीतिगत प्राथमिकता की एक बड़ी कसौटी बन चुकी है। बिहार आज इस कसौटी पर खरा उतरता दिख रहा है तो यह देश में राज्यों के नए वर्ग चरित्र का भी उद्घाटन है। इस चरित्र के साथ हम बदलते देश-समाज के साथ राज्यों की नई बन रही पहचान को देख सकते हैं। यह पहचान सामाजिक बदलाव के ऊंचे लक्ष्य को जिस तरह स्पर्श कर रही है, वह शानदार है। खासतौर पर बिहार के लिए यह गर्व की बात है कि देश में पंचायतीराज व्यवस्था और नगर निकायों में महिलाओं को 50 फीसद आरक्षण सबसे पहले देने वाले इस सूबे के पास आज महिला स्वावलंबन का अपना मॉडल तो है ही, सुशासन के रूप में नीति और राजकाज का साफ-सुथरा विवेक भी है।

जन सुराज : वैकल्पिक राजनीति का नया दर्शन?

तनवीर जाफ़री

पूरे देश की निगाहें इस समय बिहार विधान सभा के होने जा रहे आम चुनावों पर लगी हुई हैं। इन चुनावों में जहां देश व राज्य के अनेक पारंपरिक राष्ट्रीय व क्षेत्रीय राजनैतिक दल चुनाव मैदान में सत्ता अथवा विपक्ष के किसी न किसी गठबंधन के साथ मिलकर बिहार का 'भाग्य बदलने' के नाम पर ख़ुद अपना भाग्य आज़मा रहे हैं वहीँ इस बार के चुनाव में पहली बार 'जन सुराज पार्टी ' नामक एक नया राजनैतिक दल भी बिहार की राजनीति में अपनी ज़ोरदार उपस्थिति दर्ज करा रहा है।

'जन सुराज पार्टी ' जैसे किसी नवगठित दल द्वारा अपने पहले ही चुनाव में राज्य की सभी 243 सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े करना ही अपने आप में बड़ी उपलब्धि है। और इससे भी बड़ी बात यह है कि इस पार्टी के लगभग सभी उम्मीदवार शिक्षित, बुद्धिजीवी, पूर्व नौकर शाह, पूर्व आई ए एस, आई पी एस, वैज्ञानिक, गणितज्ञ तथा शिक्षाविद हैं जबकि चुनाव मैदान में कूदे अन्य पारंपरिक राष्ट्रीय व क्षेत्रीय राजनैतिक दलों के उम्मीदवारों की शिक्षा, उनके आचरण, चरित्र व योग्यता के विषय में कुछ अधिक बताने की ज़रुरत ही नहीं। बहरहाल इस नये नवेले राजनैतिक दल 'जन सुराज पार्टी ' के संस्थापक व अकेले रणनीतिकार व स्टार प्रचारक वही प्रशांत किशोर हैं जो नरेंद्र मोदी व भाजपा से लेकर देश के अधिकांश राजनैतिक दलों व नेताओं के लिये एक पेशेवर के रूप में चुनावी रणनीति तैयार करने के बारे में जाने जाते हैं।

पूर्व में वे संयुक्त राष्ट्र समर्थित एक सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रम में आठ वर्षों तक कार्य कर चुके हैं। देश के विभिन्न राजनैतिक दलों को अपनी रणनीति का लोहा मनवाने के बाद मूल रूप से बिहार के ही रहने वाले प्रशांत किशोर ने अपनी योग्यता का प्रयोग सर्वप्रथम अपने ही राज्य के विकास के लिये करने का निर्णय लिया और 2022 में बिहार की जनता को जागरूक करने व उन्हें उनकी व पूरे राज्य की बदहाली के मूल कारणों से अवगत कराने के मक़सद से बिहार में 'जन सुराज अभियान' चलने की घोषणा की।

इस घोषणा के बाद ही उन्होंने राज्य में लगभग 3, 000 किलोमीटर की पदयात्रा भी की। इस पदयात्रा के दौरान उन्होंने राज्य की आम जनता से सीधा संवाद स्थापित किया। इसी 'जन सुराज अभियान' से ही उनके नये राजनैतिक दल का नाम 'जन सुराज पार्टी' निकला।

बहरहाल देश के बड़े से बड़े राजनैतिक दिग्गजों के लिये रणनीति तैयार करने वाले प्रशांत किशोर स्वयं अपने लिये कैसी सफल रणनीति बना रहे हैं उसी का परिणाम है कि उन्हें न केवल 'गोदी मीडिया' भी पूरी तवज्जोह दे रहा है बल्कि वे सत्ता व विपक्षी महागठबंधन के दाग़दार नेताओं पूर्व की उनकी असफल नीतियों यहाँ तक कि राज्य की बदहाली तक के लिये इसी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन व महागठबंधन के दलों को ज़िम्मेदार ठहरा रहे हैं।

राज्य के विकास के लिये प्रशांत किशोर मुफ़्त की रेवड़ियों या शराब बंदी जैसी नीतियों को नहीं बल्कि केवल शिक्षा को ही पहली ज़रुरत मान रहे हैं।

राज्य की सभी 243 सीटों के लिये अपने पहले चुनाव में योग्य व शिक्षित प्रत्याशी उतारना बल्कि कई सीटों पर तो अनेक योग्य उम्मीदवारों द्वारा चुनाव लड़ने के लिये एक साथ दावा पेश किया जाना भी प्रशांत किशोर की चुनावी रणनीति की बड़ी सफलता है।

वे सोशल मीडिया पर भी अन्य राजनैतिक दलों से अधिक छाये हुये हैं। उन्होंने विभिन्न टीवी चैनल्स व यू ट्यूबर्स को अब तक जितने

साक्षात्कार दे डाले हैं उतने तो शायद सत्ता व विपक्ष के नेताओं ने भी अब तक नहीं दिये। वे अपने साक्षात्कार में अपने विरोधी दलों के अनेक नेताओं को बेनक़ाब कर उनकी आपराधिक व शैक्षिक पृष्ठभूमि को उजागर कर रहे हैं। प्रशांत किशोर बड़े ही स्पष्ट अंदाज़ में बिहार की बदहाली व पिछड़ेपन के लिये जहाँ पूर्व की सत्ता व नेताओं को ज़िम्मेदार ठहरा रहे हैं वहीँ राज्य के उन मतदाताओं को भी आइना दिखा रहे हैं जो मुफ़्त के राशन अथवा धर्म जाति के नाम पर वोट कर भ्रष्ट व अयोग्य उम्मीदवारों का चुनाव करती रही है।

राजनैतिक विश्लेषक हालांकि बिहार के चुनावी रण में 'जन सुराज पार्टी' के उतरने को लेकर तरह तरह के क़यास लगा रहे हैं। कुछ लोगों का मानना है कि 'जन सुराज पार्टी' भी असद्दुदीन ओवैसी की ए आई एम आई एम की ही तरह राज्य में वोट काटने वाली पार्टी साबित होगी और इसका लाभ भारतीय जनता पार्टी को मिलेगा। जबकि कुछ का मानना है कि केवल एन डी ए ही नहीं बल्कि जन सुराज पार्टी विपक्षी महागठबंधन को भी नुक़सान पहुंचाएगी।

उधर प्रशांत किशोर अपना सीधा मुक़ाबला सत्ता रूढ़ एन डी ए से ही बता रहे हैं परन्तु साथ ही उनका यह भी कहना है कि चुनाव परिणाम ही फ़ैसला करेंगे कि उनकी पार्टी अर्श पर होगी या फ़र्श पर। जबकि राजनैतिक विश्लेषकों का एक वर्ग ऐसा भी है जो 'जन सुराज पार्टी' की तुलना आम आदमी पार्टी से करते हुये इसके वर्तमान तेवर के साथ ही संभावित भविष्य को भी देख रहा है।

जो भी हो मगर अपनी योग्यता का लोहा मनवाने के बाद अपने कुशल रणनीतिकार के पेशे को त्यागकर अपनी ही कमाई गयी पूँजी को दांव पर लगाकर बिहार व बिहार वासियों के भविष्य की चिंता में राज्य की गली गली में धूल मिट्टी व कीचड़ में घूमकर राज्य की ख़ुशहाली की बातें करना वह भी बिना किसी धर्म जाति व समुदाय की बात किये हुये तथा बिना मुफ़्त की रेवड़ी की लालच दिये।

अपने आप में ही बड़ी बात है। वह भी उस बिहार राज्य में जोकि ग़रीबी के साथ साथ अपनी जातिवादी राजनीति के लिये भी प्रसिद्ध हो? इसमें कोई शक नहीं कि देश को शिक्षित, ज्ञानवान, राष्ट्र हितकारी, धर्म व सम्प्रदाय व जाति से ऊपर उठकर सोचने वाले तथा स्वच्छ छवि रखने वाले नेताओं की ज़रुरत है।

आज यदि कोई अनपढ़, अज्ञानी व साम्प्रदायिकतावादी व्यक्ति देश का प्रधानमंत्री बन जाये कोई अपराधी व्यक्ति देश का गृह मंत्री या मुख्य मंत्री बन जाये अशिक्षित व्यक्ति शिक्षा मंत्री बन जाये कोई लुच्चा, लफ़ंगा, बलात्कारी, गैंगस्टर हमारा जनप्रतिनिधि बन जाये तो इससे बढ़कर शर्मिन्दिगी व वैश्विक श्तर पर बदनामी की बात हमारे देश के लिये और क्या हो सकती है? यदि भारतीय राजनीति का वातविक चेहरा इतना भयावह व दाग़दार न होता तो केंद्रीय विद्युत व ऊर्जा मंत्री आर के सिंह को पिछले दिनों अपनी ही पार्टी भाजपा के प्रत्याशी व बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी व मोकामा से जेडीयू की ओर से एनडीए उम्मीदवार व बाहुबली नेता अनंत सिंह का नाम लेते हुये राज्य की जनता के नाम यह वीडिओ सन्देश जारी न करना पड़ता जिसमें उन्होंने दीवाली की शुभकामनाएं देते हुए मतदाताओं से अपील की थी कि -'अपराधी या भ्रष्टाचार के आरोपी सम्राट चौधरी व अनंत सिंह जैसे उम्मीदवारों को वोट न दें, भले ही वे किसी की जाति के हों। ' उन्होंने इसी सन्देश में यह सुझाव भी दिया कि यदि सभी उम्मीदवार ऐसे हैं, तो NOTA दबाएं। आर.के. सिंह ने यहां तक कहा कि ऐसे उम्मीदवार को वोट देने का अर्थ है 'चुल्लू भर पानी में डूब मरना'।

इसीलिये रसातल में जा रही राजनीति के वर्तमान दौर में यह सोचना पड़ रहा है कि जन सुराज पार्टी क्या वैकल्पिक राजनीति का नया 'दर्शन' साबित हो सकेगा?

एआई और डीपफेक की चुनौती : नवाचार को रोके बिना जवाबदेही कैसे सुनिश्चित करें

डॉ. सत्यवान सौरभ

कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई आज के युग की सबसे प्रभावशाली और परिवर्तनकारी तकनीकों में से एक बन चुकी है। यह हमारे जीवन के हर क्षेत्र में प्रवेश कर चुकी है — शिक्षा, चिकित्सा, संचार, मनोरंजन और प्रशासन तक। लेकिन तकनीक जितनी तेज़ी से बढ़ी है, उतनी ही तीव्रता से उसके दुरुपयोग की संभावनाएँ भी बढ़ी हैं। इन्हीं में से एक गंभीर चुनौती है — "डीपफेक" और "सिंथेटिक मीडिया" का प्रसार। डीपफेक का अर्थ है ऐसी ऑडियो, वीडियो या छवि जो एआई की मदद से इस तरह बनाई जाती है कि वह पूरी तरह वाश्तविक प्रतीत होती है।

किसी व्यक्ति का चेहरा बदल देना, उसकी आवाज़ की हूबहू नकल करना या किसी घटना का झूठा वीडियो तैयार करना — अब कुछ ही मिनटों का काम रह गया है। इस तकनीक के माध्यम से किसी के खिलाफ फर्जी वीडियो बनाना, राजनीतिक प्रचार में झूठ फैलाना, या किसी महिला की तस्वीर से छेड़छाड़ करना अत्यंत आसान हो गया है। भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में, जहाँ सोशल मीडिया का प्रभाव करोड़ों नागरिकों तक है, डीपफेक का खतरा और भी गंभीर हो जाता है।

कुछ सेकंड का झूठा वीडियो समाज में अविश्वास, नफरत या भ्रम फैला सकता है। यह केवल नैतिक नहीं बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का भी प्रश्न बनता जा रहा है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या इस चुनौती का कोई संतुलित समाधान संभव है? क्या तकनीक को रोका जाए या उसके साथ जिम्मेदारीपूर्वक चलना सीखा जाए? यही प्रश्न आज के डिजिटल भारत के सामने सबसे बड़ा नीति-संकट बन गया है।

भारत सरकार ने इस चुनौती को गंभीरता से लेते हुए हाल में सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) के माध्यम से एक महत्वपूर्ण पहल की है। सरकार ने "सिंथेटिक सामग्री की अनिवार्य लेबलिंग" का प्रश्ताव रखा है, जिसके तहत यदि कोई सामग्री कृत्रिम बुद्धिमत्ता द्वारा बनाई गई है या उसमें एआई का हश्तक्षेप हुआ है, तो उसे "एआई जनित" या "सिंथेटिक" के

रूप में स्पष्ट रूप से चिन्हित करना होगा। इस कदम का उद्देश्य है पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना, ताकि उपयोगकर्ता यह जान सके कि जो वह देख या सुन रहा है, वह असली है या कृत्रिम रूप से निर्मित।

प्रश्तावित नियमों के अनुसार, वीडियो में ऐसा लेबल दृश्यमान रूप से दिखना चाहिए, ऑडियो में शुरुआती हिस्से में इसे सुनाई देना चाहिए और छवियों में भी यह टैग या वॉटरमार्क के रूप में मौजूद रहना चाहिए। यह नीति नवाचार को रोकने के लिए नहीं, बल्कि समाज में भरोसा कायम रखने के लिए है। डिजिटल प्लेटफॉर्म्स और सामग्री निर्माताओं के लिए यह नियम न केवल कानूनी दायित्व बनेगा बल्कि नैतिक जिम्मेदारी भी।

सरकार का कहना है कि इस कदम से उपयोगकर्ता स्वयं निर्णय ले सकेगा कि वह किस सामग्री को विश्वसनीय माने और किसे नहीं। साथ ही, यह भी स्पष्ट किया गया है कि कोई भी क्रिएटर या प्लेटफॉर्म यदि जानबूझकर बिना लेबल की एआई जनित सामग्री प्रसारित करेगा, तो उसे जवाबदेह ठहराया जाएगा। यह पहल भारत को वैश्विक श्तर पर एक जिम्मेदार डिजिटल राष्ट्र के रूप में प्रश्तुत कर सकती है, क्योंकि अमेरिका और यूरोप जैसे देशों में भी ऐसी नीतियों पर विचार चल रहा है।

सिंथेटिक सामग्री की लेबलिंग का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह पारदर्शिता लाती है और नागरिकों को सूचित निर्णय लेने की क्षमता देती है। जब किसी वीडियो या चित्र पर यह स्पष्ट लिखा हो कि यह "एआई जनित" है, तो दर्शक उसे पूरी तरह वाश्तविक मानने की गलती नहीं करेगा। इससे फेक न्यूज़, अफवाहों और राजनीतिक दुष्प्रचार के प्रसार पर नियंत्रण पाया जा सकता है।

यह लेबलिंग प्रणाली एक प्रकार का डिजिटल "सावधानी संकेत" बन जाएगी, जो लोगों को भ्रामक सामग्री से बचने में मदद करेगी। इसके अलावा यह कदम उन क्रिएटर्स के लिए भी उपयोगी है जो जिम्मेदारी से एआई का प्रयोग करना चाहते हैं। जब हर सामग्री को स्पष्ट रूप से चिन्हित करना आवश्यक होगा, तो कोई भी व्यक्ति बिना जिम्मेदारी लिए गलत उद्देश्य से एआई का उपयोग नहीं कर पाएगा। इससे नैतिक डिजिटल वातावरण का निर्माण होगा। साथ ही, यह नीति तकनीकी उद्योग के लिए भी अवसर लेकर आएगी — क्योंकि इससे ऐसे नए टूल्स, डिटेक्शन सिस्टम और एथिकल एआई तकनीकों की मांग बढ़ेगी जो यह सुनिश्चित करें कि कौन-सी सामग्री एआई जनित है और कौन-सी नहीं। परंतु यह कहना भी आवश्यक है कि इस नीति की सफलता केवल सरकार के नियमों पर निर्भर नहीं करेगी, बल्कि समाज की डिजिटल साक्षरता पर भी।

यदि नागरिक स्वयं एआई तकनीकों की प्रकृति को नहीं समझेंगे, तो लेबल का अर्थ उनके लिए मात्र एक औपचारिकता बन जाएगा। इसलिए आवश्यक है कि लेबलिंग के साथ-साथ डिजिटल साक्षरता अभियान भी चलाए जाएँ ताकि आम लोग सच और कृत्रिमता में फर्क करना सीख सकें।

हालाँकि इस नीति का उद्देश्य सराहनीय है, लेकिन इसके कार्यान्वयन से जुड़ी कई व्यावहारिक चुनौतियाँ भी सामने आती हैं। सबसे बड़ी चुनौती यह तय करना है कि आखिर "सिंथेटिक सामग्री" की परिभाषा क्या होगी। आज अधिकांश डिजिटल सामग्री मिश्रित रूप में होती है — जहाँ कुछ हिस्सा मानव द्वारा बनाया जाता है और कुछ एआई द्वारा। क्या ऐसी सामग्री भी पूरी तरह "एआई जनित" मानी जाएगी? इसके अलावा, यह तकनीकी रूप से बहुत कठिन है कि हर अपलोड होने वाली सामग्री का निरीक्षण किया जाए और यह प्रमाणित किया जाए कि उसमें एआई का उपयोग हुआ है या नहीं।

भारत जैसे विशाल देश में, जहाँ हर दिन करोड़ों वीडियो, छवियाँ और ऑडियो फाइलें सोशल मीडिया पर अपलोड होती हैं, वहाँ मॉनिटरिंग और ट्रैकिंग एक दुष्कर कार्य है। दूसरा, छोटे और मध्यम श्तर के क्रिएटर्स तथा स्टार्टअप्स के लिए यह नियम आर्थिक बोझ बन सकता है।

यदि लेबलिंग की प्रक्रिया अत्यधिक जटिल या महंगी होगी, तो नवाचार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। तीसरा, इस नीति से अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर भी प्रश्न उठ सकते हैं। कोई कलाकार यदि एआई का उपयोग केवल रचनात्मक प्रयोग के रूप में करता है, तो क्या उसे भी कठोर नियमों का पालन करना होगा? इसलिए यह ज़रूरी है कि नीति में लचीलापन हो और उसे विषय-वश्तु की प्रकृति के अनुसार लागू किया जाए। उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों — जैसे राजनीति, चुनाव, सामाजिक या धार्मिक मुद्दों — में सख्त नियम लागू किए जाएँ, जबकि कला, शिक्षा या अनुसंधान के क्षेत्र में थोड़ी छूट दी जाए।

अंततः, यह स्पष्ट है कि डीपफेक और एआई जनित सामग्री केवल तकनीकी चुनौती नहीं बल्कि सामाजिक और नैतिक संकट भी है। सिंथेटिक मीडिया की अनिवार्य लेबलिंग इस दिशा में एक आवश्यक और दूरदर्शी कदम है। इससे न केवल नागरिकों को सुरक्षा मिलेगी बल्कि डिजिटल दुनिया में विश्वास भी पुनः स्थापित होगा।

परंतु इसका अर्थ यह नहीं कि एआई को नियंत्रित कर नवाचार को बाधित किया जाए। आवश्यकता इस बात की है कि नवाचार और जवाबदेही के बीच संतुलन बना रहे। एआई का उद्देश्य मानवता की सेवा है, न कि भ्रम फैलाना या समाज में अविश्वास पैदा करना। इसलिए सरकार, तकनीकी कंपनियों, क्रिएटर्स और नागरिक समाज — सभी को मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि तकनीक का उपयोग पारदर्शी और जिम्मेदार तरीके से हो।

डिजिटल साक्षरता, नैतिक दिशानिर्देश, और निरंतर संवाद इस प्रक्रिया के तीन प्रमुख श्तंभ होने चाहिए। साथ ही, नियमों की समीक्षा समय-समय पर की जाए ताकि वे तकनीकी प्रगति के अनुरूप बने रहें। यदि भारत इस नीति को विवेक, संवेदनशीलता और संतुलन के साथ लागू करता है, तो यह न केवल देश के डिजिटल भविष्य को सुरक्षित करेगा, बल्कि दुनिया के सामने जिम्मेदार एआई शासन का एक आदर्श मॉडल प्रश्तुत करेगा।

डीपफेक से उपजी चुनौती का उत्तर दमन नहीं, बल्कि समझदारी और नैतिक तकनीकी नीति है। यही दृष्टिकोण भारत को कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में वाश्तविक नेतृत्व प्रदान कर सकता है — ऐसा नेतृत्व जो सत्य, पारदर्शिता और मानवता पर आधारित हो।

ट्रंप के अहंकार से विश्वयुद्ध की प्रबल होती संभावनायें

डा. रवीन्द्र अरजरिया

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का वर्तमान कार्यकाल समूची दुनिया में आलोचना का केन्द्र बनता जा रहा है। दबाव की नीतियों को अपनाने, अमेरिका को रातों रात सोने की लंका बनाने तथा सबसे शक्तिशाली देश के रूप में स्थापित करके दुनिया पर चौधरीगिरी करने की मृगमारीचिका के पीछे दौडना अब उन्हीं के लिए घातक होता जा रहा है।

डीप स्टेट, सीआईए तथा विश्वव्यापी मीरजाफरों के गिरोहों की दम पर संसार का सरदार बनने की चाह रखने वाले डोनाल्ड ट्रंप कभी शान्ति का नोबल पुरस्कार के लिए लालायित होते हैं तो कभी पडोसियों को लडाकर युद्ध विराम का श्रेय लेने की एकतरफा कोशिश में जुट जाते हैं। कभी मनगढन्त बातें फैलाकर स्वयं को सबसे पराक्रमी दिखाते हैं तो कभी अन्य देशों में अशान्ति फैलाकर तख्तापटल करने का षडयंत्र रचते हैं।

कुटिल चालों में स्वयं को माहिर मानने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति कभी पुतिन से मिलकर रूस-यूक्रेन युद्ध विराम की संभावनायें जताते हैं तो कभी हमास के साथ इजरायल के समझौतों की बात पर अपनी पीठ स्वयं थपथपाते नजर आते हैं। भारत, चीन और रूस को अपना सबसे बडा प्रतिद्वन्दी मानकर स्वयं की जीत का डंका बजाने के लिए टैरिफ का सहारा लेकर प्रत्यक्ष में शीत युद्ध छेडने का बाद भी उनके हाथों में ढाक के तीन पात ही आये हैं।

आत्मसम्मान, स्वाभिमान और स्वाधीनता के तले कोई भी सबल नेतृत्व वाला देश ट्रंप की चालों में फंसने के लिए तैयार नहीं है। गरीब, कपटी और षडयंत्रकारी देशों पर आसानी से हुकूमत चलाने की स्थिति निर्मित हो जाने से ट्रंप के मंसूबे अब आसमान पर थूकने के बनने लगे हैं।

चाटुकारों से घिरे अतिमहात्वाकांक्षी व्यक्ति की परिभाषा पर खरे उतरने के कारण अमेरिका के राष्ट्रपति अपने देश के लिए स्वयं खाई खोदने में जुट गये हैं जिसका उनके देश में भी खासा विरोध हो रहा है।

वहीं दूसरी ओर ज्यादातर शान्तिप्रिय देशों ने उनसे दूरियां बनाना शुरू कर दीं हैं। निरंतर हो रही अन्तर्राष्ट्रीय उपेक्षा के कारण ट्रंप मानसिक अवसाद की चरम सीमा पर पहुंचते जा रहे है। समूची दुनिया में अमेरिका को मानवता विरोधी, आतंक के संरक्षक और स्वार्थी के रूप में परिभाषित किया जाने लगा है। विगत 24 सितंबर 2025 को बैरियो, 18 सितंबर 2025 को हरकत अल – नुजाबा, 18 सितंबर 2025 को कताइब सैय्यद अल-शुहादा, 18 सितंबर 2025 को हरकत अंसार अल्लाह अल-औफिया को, 18 सितंबर 2025 को कताइब अल-इमाम अली, 5 सितंबर 2025 को लॉस चोनेरोस, 5 सितंबर 202 को लॉस लोबोस, 12 अगश्त 2025 को बलूचिश्तान लिबरेशन आर्मी, 5 मई 2025 को विव अंसनम, 5 मई 2025 को ग्रैन ग्रिफ़, 5 मार्च 2025 को अंसारल्लाह, 20 फरवरी 2025 को कार्टेल डी सिनालोआ, 20 फरवरी 2025 को कार्टेल डी जलिस्को नुएवा जेनरेशन, 20 फरवरी 2025 को कार्टेल डेल नोरेस्टे, 20 फरवरी 2025 को ला नुएवा फमिलिया मिचोआकाना, 20 फरवरी 2025 को कार्टेल डेल गोल्फो, 20 फरवरी 2025 को कार्टेल्स यूनिडोस, 20 फरवरी 2025 को ट्रेन डे अरागुआ, 20 फरवरी 2025 को मारा साल्वाट्रुचा, 1 दिसंबर 2021 को सेगुंडा मार्केटालिया, 1 दिसंबर 2021 को कोलंबिया की पीपुल्स आर्मी, 11 मार्च 2021 को आईएसआईएस – डीआरसी, 11 मार्च 2021 को आईएसआईएस – मोजाम्बिक, 14 जनवरी 2021 को हरकत सवाद मिस्त्र, 10 जनवरी 2020 को असैब अहल अल-हक, 2 जुलाई 2019 को जैश अल-अदल, 15 अप्रैल 2019 को इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स, 22 मार्च 2019 को अल-हयात मीडिया सेंटर और अमाक न्यूज एजेंसी, 6 सितंबर 2018 को जमात नुसरत अल -इस्लाम वल-मुस्लिमीन, 11 जुलाई 2018 को अल-अश्तर ब्रिगेड, 23 मई 2018 को ग्रेटर सहारा में आईएसआईएस, 28 फरवरी 2018 को आईएसआईएस-पश्चिम अफ्रीका, 28 फरवरी 2018 को आईएसआईएस-फिलीपींस, 28 फरवरी 2018 को आईएसआईएस – बांग्लादेश, 17 अगश्त 2017 को हिज्बुल मुजाहिदीन, 2 नवम्बर 2017 को मारवान हदीद ब्रिगेड्स, 1 जुलाई 2016 को भारतीय उपमहाद्वीप में अल-कायदा, 20 मई 2016 को आईएसआईएस-लीबिया, 14 जनवरी 2016 को इस्लामिक स्टेट का खुरासान प्रांत, 30 सितंबर 2015 को जैश रिजाल अल-तारिक अलनक्शबंदी, 30 सितम्बर 2015 को आईएसआईएल सिनाई प्रांत, 10 अप्रैल 2014 को आईएसआईएस-सिनाई प्रांत जिसे पूर्व में अंसार बेत अल-मकदीस कहा जाता था।

13 जनवरी 2014 को बेनगाज़ी में अंसार अल-शरिया, 13 जनवरी 2014 को दरनाह में अंसार अल-शरिया, 13 जनवरी 2014 को ट्यूनीशिया में अंसार अल-शरिया, 19 दिसंबर 2013 को अल-मुलाथमुन बटालियन उर्फ अल-मुराबिटौन, 14 नवंबर 2013 को अंसारू, 14 नवंबर 2013 को बोको हराम, 22 मार्च 2013 को अंसार अल-दीन, 5 अक्टूबर 2012 को अंसार अल-शरिया, 19 सितंबर 2012 को हक्कानी नेटवर्क, 30 मई 2012 को अब्दुल्ला अज़्ज़ाम ब्रिगेड्स, 13 मार्च 2012 को जेमाह अंशोरुत तौहीद, 19 सितंबर 2011 को इंडियन मुजाहिदीन, 23 मई 2011 को इस्लाम की सेना, 4 नवंबर 2010 को जैश अल-अदल, 1 सितंबर 2010 को तहरीक-ए तालिबान पाकिश्तान, 6 अगश्त 2010 को हरकत उल – जिहाद – ए –इस्लामी, 19 जनवरी 2010 को अरब प्रायद्वीप में अल-कायदा, 2 जुलाई, 2009 को कताइब हिज़्बुल्लाह, 18 मई 2009 को क्रांतिकारी संघर्ष, 18 मार्च 2008 को अल – शबाब-अल-हिजरा, 5 मार्च, 2008 को हरकत उल – जिहाद – ए –इस्लामी बांग्लादेश, 17 जून 2005 को इस्लामिक जिहाद यूनियन, 17 दिसंबर 2004 को आईएसआईएस तथा इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक, 13 जुलाई 2004 को निरंतरता आयरिश रिपब्लिकन आर्मी, 22 मार्च 2004 को अंसार अल-इस्लाम, 30 जनवरी 2003 को लश्कर ए झांगवी, 23 अक्टूबर 2002 को जेमाह इस्लामिया, 9 अगश्त 2002 को फिलीपींस की कम्युनिस्ट पार्टी तथा न्यू पीपुल्स आर्मी, 27 मार्च 2002 को इस्लामिक मगरेब में अल-कायदा, 27 मार्च 2002 को अस्बत अल-अंसार, 27 मार्च 2002 को अल-अक्सा शहीद ब्रिगेड, 26 दिसंबर 2001 को लश्कर-ए-तैयबा, 26 दिसंबर 2001 को जैश-ए-मोहम्मद, 16 मई 2001 को न्यू आयरिश रिपब्लिकन आर्मी, 25 सितंबर 2000 को इस्लामिक मूवमेंट ऑफ उज़्बेकिश्तान, 8 अक्टूबर को 1999 को अल-कायदा, 8 अक्टूबर 1997 को अबू सय्याफ ग्रुप, 8 अक्टूबर 1997 को हमास, 8 अक्टूबर 1997 को हरकत उल-मुजाहिदीन, 8 अक्टूबर 1997 को हिज़्बुल्लाह, 8 अक्टूबर 1997 को कुर्दिश्तान वर्कर्स पार्टी, 8 अक्टूबर 1997 को लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम, 8 अक्टूबर 1997 को राष्ट्रीय मुक्ति सेना, 8 अक्टूबर 1997 को फिलिश्तीन मुक्ति मोर्चा, 8 अक्टूबर 1997 को फिलिश्तीन इस्लामिक जिहाद, 8 अक्टूबर 1997 को फिलिश्तीन मुक्ति के लिए लोकप्रिय मोर्चा, 8 अक्टूबर, 1997 को पीएफएलपी-जनरल कमांड, 8 अक्टूबर 1997 को क्रांतिकारी पीपुल्स लिबरेशन पार्टी –फ्रंट, 8 अक्टूबर 1997 को शाइनिंग पाथ सहित अल मुहम्मदिया छात्र, तहरीक-ए-तहाफुज किबला अव्वल, तहरीक-ए-हुरमत-ए-रसूल, अल-अनफाल ट्रस्ट, तहरीक-ए-आजादी-ए-कश्मीर और मिल्ली मुस्लिम लीग, प्रतिरोध मोर्चा, अंसार उल-उम्मा और आईआरए जैसे संगठनों को अमेरिका ने अन्तर्राष्ट्रीय आतंकवादी गिरोहों के रूप में घोषित किया था जबकि तत्कालीन समय में अनेक खूंखार आतंकी गिरोहों को क्लीन चिट देकर स्वयं की कठपुतली बना लिया था।

इन्हीं कठपुतलियों का उपयोग वर्तमान में ट्रंप के द्वारा किया जा रहा है। अनेक मोर्चों पर चारों खाने चित्त होने के बाद भी ट्रंप का विश्व सम्राट बनने का सपना निरंतर शीर्षोन्मुखी होकर खतरनाक अहंकार में परिवर्तित हो रहा है यदि समय रहते इसका उपचार नहीं किया गया तो उसे विश्वयुद्ध में परिवर्तित होते देर नहीं लगेगी। इस बार बस इतना ही। अगले सप्ताह एक नई आहट के साथ फिर मुलाकात होगी।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com **ई-मेल:** todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI**-UPHIN/2009/30721

लखनऊ में युवक ने कार के अंदर ख़ुद को गोली मारकर आत्महत्या की

✷ **एनसीआर टुडे. लखनऊ** ✷। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के हजरतगंज इलाके में एक युवक ने अपनी कार के अंदर कथित तौर पर खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने एक बयान जारी कर बताया कि मृतक की पहचान ताल कटोरा थाना क्षेत्र के राजाजीपुरम निवासी ईशान गर्ग (38) के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि गाड़ी से उसका लाइसेंसी रिवॉल्वर और लाइसेंस बरामद कर लिया गया है। सूत्रों के अनुसार यह घटना शनिवार देर रात हरिओम मंदिर के पास हुई, जब हजरतगंज थाना पुलिस को सूचना मिली कि एक युवक ने कार के अंदर खुद को गोली मार ली है। सूचना मिलते पर मौके पर पहुंची पुलिस को चालू स्थिति में एक एसयूवी मिली। अंदर, एक युवक ड्राइवर की सीट पर बैठा था और उसकी कनपटी पर गोली लगी थी। पुलिस ने युवक को किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के ट्रामा सेंटर पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने युवक के दाहिने हाथ से एक रिवॉल्वर के अलावा मौके से कुल नौ कारतूस और एक खाली खोखा बरामद किया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आगे की कार्रवाई जारी है।

अमेठी में दो बाइकों की आमने-सामने की टक्कर में युवक की मौत, 3 अन्य घायल

✷ **एनसीआर टुडे. अमेठी** ✷। उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले के जगदीशपुर थाना क्षेत्र के मधुपुर गांव के पास दो बाइकों की आमने-सामने की टक्कर में एक युवक की मौत हो गई जबकि तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। मोहनगंज क्षेत्र के बाबूपुर निवासी चांदका प्रसाद (30) शनिवार देर शाम बाइक से जा रहा था, तभी सामने से आ रहे एक एक अन्य दोपहिया वाहन से मधुपुर गांव के पास आमने-सामने की टक्कर हो गयी, जिससे चार लोग घायल हो गए। उन्होंने बताया कि सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) जगदीशपुर ले जाया गया, जहां डाक्टरों ने चांदका प्रसाद को मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि बाकी तीन घायल उपचाराधीन हैं। थाना जगदीशपुर के प्रभारी निरीक्षक धीरेंद्र यादव ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर विधिक कार्यवाही की जा रही है।

सड़क हादसे में पुलिस टीम की कार ट्रक से भिड़ी, मुख्य आरक्षी सहित दो की मौत, 5 घायल

✷ **एनसीआर टुडे. आगरा** ✷। उत्तर प्रदेश के जनपद आगरा में थाना निबोहरा की पुलिस टीम गुमशुदगी के एक दर्ज मामले में दबिश देकर राजस्थान से वापस लौट रही थी। आगरा जयपुर हाईवे पर पुलिस टीम की प्राइवेट कार हाईवे पर ट्रक से टकराने पर कार चालक सहित मुख्य आरक्षी की मौत हो गई। टीम के उप निरीक्षक गौरव कुमार और पीड़ित परिवार के सदस्यों सहित पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। रविवार को आगरा के थाना क्षेत्र फतेहपुर सीकरी अंतर्गत सुबह करीब 6 बजे जयपुर हाईवे पर ग्राम चौमांशाहपुर, रिलायंस पेट्रोल पम्प के पास कार अचानक सड़क पर खड़े ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रश्त हो गई और घटना स्थल पर चीख-पुकार मच गई। हादसे में हेड कांस्टेबल गौरव प्रताप सिंह और चालक देव पुत्र मंगल सिंह की मौत हो गई। इसके अलावा उपनिरीक्षक गौरव कुमार समेत 05 लोग घायल हुए। जिन्हें तत्काल अस्पताल भेजा गया है। पुलिस द्वारा आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है। विगत दिनों आगरा के थाना निबोहरा में महिला की गुमशुदगी के मामले में उसकी बारामदगी हेतु पुलिस एक प्राइवेट अर्टिगा कार से राजस्थान के सूरतगढ़ गए हुए थे और दविश देने के बाद वापस आगरा आ रहे थे। एस एच ओ फतेहपुर सीकरी आनंद वीर सिंह ने बताया कि घटना में थाना निबोहरा में तैनात मुख्य आरक्षी गौरव प्रताप सिंह की मृत्यु हो गई है। इसी थाने के उप निरीक्षक गौरव कुमार सहित पांच अन्य लोग घायल हैं।

ट्रक की चपेट में आकर दो की मौत, एक गंभीर

✷ **एनसीआर टुडे. अलीगढ़** ✷। इगलास की ओर जा रहे एक ट्रक ने बाइक सवार तीन युवकों को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार, तीनों युवक थाना क्वार्सी क्षेत्र के जीवनगढ़ गली नंबर 8 के निवासी बताए जा रहे हैं। हादसा थाना नगर कोतवाली क्षेत्र के तालशपुर पुलिया के पास हुआ। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों घायलों को सरकारी अस्पताल मलखान सिंह भेजा गया। जहां डॉक्टरों ने दो युवकों को मृत घोषित कर दिया, जबकि एक युवक की हालत नाजुक बताई जा रही है। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेकर घटना की जांच शुरू कर दी है।

मौसम बदलने से बुखार, खांसी, जुकाम से परेशान लोग

✷ **एनसीआर टुडे. अलीगढ़** ✷। जिले अस्पतालों में मौसम परिवर्तन का सीधा असर लोगों के स्वास्थ्य पर देखने को मिल रहा है। दिन में तेज धूप और रात में सर्दी के कारण बुखार, खांसी, जुकाम और सांस संबंधी बीमारियों में तेजी से वृद्धि हुई है। जिला अस्पताल की ओपीडी में प्रतिदिन 300 दसे अधिक मरीज इन समस्याओं के साथ पहुंच रहे हैं। स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि केवल जिला अस्पताल ही नहीं, बल्कि सरकारी एमडीटीबी अस्पताल और निजी अस्पतालों में भी मरीजों की संख्या में भारी बढ़ोतरी देखी गई है। चिंता की बात यह है कि बच्चे भी इन बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं। सीएमओ डॉ. नीरज त्यागी ने स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि वर्तमान में दिन और रात के तापमान में भारी अंतर देखा जा रहा है। उन्होंने लोगों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह देते हुए कहा कि ठंडी चीजों से दूर रहें और अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत रखने के लिए उचित कदम उठाएं। मौसम के इस उतार-चढ़ाव में खास तौर पर बच्चों और बुजुर्गों को विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है।

12 बकरियां चुराकर ले गए कार सवार

✷ **एनसीआर टुडे. अलीगढ़** ✷। इगलास कोतवाली क्षेत्र के गांव कांका में एक किसान के घेर से चोरों ने रात के अंधेरे में 12 बकरियां चोरी कर लीं। चौंकाने वाली बात यह है कि चोर बकरियों को चुराकर ले जाने के लिए वैगनआर कार का इश्तेमाल किया।

मोबाइल देखने से सिकुड़ रही नसें...बिगड़ रही दिमागी हालत, चिकित्सकों ने दी ये सलाह

आगरा , एजेंसी।

युवाओं में बढ़ते मानसिक विकार में नशाखोरी बड़ी वजह बन रहा है। इससे मरीजों की नस सिकुड़ने और अवसाद के शिकार होने के केस आ रहे हैं। फतेहाबाद रोड स्थित होटल में एसोसिएशन फॉर क्लिनिकल साइकेट्री (एसीपी) की दो दिवसीय कार्यशाला में चिकित्सकों ने इस पर चिंता जताई। ऑनलाइन इलाज से मानसिक विकारों के गंभीर बनने के खतरों पर भी डॉक्टरों ने व्याख्यान दिया।

एसीपी के नवनियुक्त अध्यक्ष डॉ. यूसी गर्ग ने बताया कि युवा नशे की लत को पूरा करने के लिए कई तरह के खतरनाक मादक पदार्थों का उपयोग कर रहे हैं। इसका दुष्प्रभाव दिमाग समेत शरीर के सभी अंगों पर पड़ रहा है। इससे नींद, भूख और याददाश्त प्रभावित हो रही है। लंबे समय तक ऐसी स्थिति से नस सिकुड़ने, अवसाद और सिजोफ्रेनिया की बीमारी मिल रही है।

आयोजन अध्यक्ष डॉ. केसी गुरनानी ने बताया कि स्क्रीन एडिक्शन से हर तीसरा व्यक्ति प्रभावित हो रहा है। देर रात तक बेवजह मोबाइल-लैपटॉप देखने से सिर में दर्द, आंखों की नजर कमजोर, नस और

चेहरे पर सूजन समेत अन्य परेशानी हो रही हैं। भूख-प्यास भी प्रभावित हो रही है।

इससे पहले मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्यमंत्री प्रो. एसपी सिंह बघेल, विशिष्ट अतिथि एसएन प्राचार्य डॉ. प्रशांत गुप्ता ने उद्घाटन किया। कार्यशाला में डॉ. विशाल सिन्हा, डॉ. काश्यपी गर्ग, डॉ. अनुराग वर्मा, डॉ. अब्दुल मजीद, डॉ पीके दलाल, डॉ. वेणुगोपाल झांवर, डॉ. पार्थ बघेल, डॉ. रश्मि शुक्ला, डॉ. मनोज साहू, डॉ. आदित्य प्रिया आदि ने भी व्याख्यान दिए।

ऑनलाइन इलाज से मानसिक विकार बन रहे गंभीर

कार्यशाला में भारतीय डिजिटल क्रांति का मानसिक स्वास्थ्य एवं मनोचिकित्सा पर व्याख्यान विषय पर निवर्तमान अध्यक्ष डॉ. एससी तिवारी ने कहा कि लोग सोशल मीडिया, एप से बीमारी का इलाज कर रहे हैं। इसमें मर्ज कितना गंभीर है, कितनी डोज देनी है, बीमारी की वजह क्या है, इन सभी की कोई जानकारी नहीं होती है।

इससे दवाओं के गलत उपयोग से बीमारी गंभीर बन रही हैं। कोलकाता के डॉ. गौतम साहा, हैदराबाद के डॉ. के. अशोक रेड्डी और चंडीगढ़ के डॉ. परम कुल्हारा ने कहा कि इलाज में डिजिटल की भूमिका के बारे में बताया। बेंगलुरू के डॉ. सी. नवीन कुमार ने टेलीमानस के 24 घंटे इलाज सेवा के प्रचार-प्रसार की जरूरत बताई।

संवेदनाएं दफन, शवों को घर पहुंचाने के नाम पर भी घोटाला

उन्नाव, एजेंसी। संवेदनाओं को दरकिनार कर शवों को घर पहुंचाने के नाम पर भी घोटाला किया जा रहा है। जिला अस्पताल के शव वाहनों से जिन शवों को उनके घर पहुंचाना दिखाया गया है, हकीकत में उन्हें परिजन लोडर या निजी एंबुलेंस से लेकर गए। बृहस्पतिवार को जिला अस्पताल में इलाज के लिए दो घंटे इंतजार के दौरान मृत बुजुर्ग के शव को बेटा 1300 रुपये देकर किराये के लोडर से लेकर गया लेकिन जिला अस्पताल के रजिस्टर में इसे शव वाहन से भेजना दर्ज है। इतना ही नहीं रजिस्टर पर दर्ज तीन अन्य मृतकों के परिजनों से बात की गई तो उन्होंने भी शव वाहन न मिलने की बात बताई। जिला अस्पताल में दो और सीएमओ कार्यालय में एक शव वाहन है। शासन के निर्देश हैं कि अस्पताल में मृत्यु के बाद शव को सम्मानपूर्वक परिजनों के घर तक निशुल्क पहुंचाया जाए लेकिन जिम्मेदार शव पहुंचाने के नाम पर भी घालमेल कर रहे हैं। पड़ताल में खुलासा हुआ कि तीनों शव वाहन जिला अस्पताल परिसर में ही खड़े रहते हैं। मरीज की मौत पर परिजन खुद ही निजी एंबुलेंस (वैन) या लोडर, टेंपो से शव घर तक ले जाते हैं। सरकारी शव वाहनों के लिए डीजल, मेंटीनेंस और ड्राइवर का भुगतान हर महीने सरकारी फाइलों में दिखाया जाता है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार एक वाहन पर रोजाना औसतन 15 लीटर डीजल का मासिक खर्च 39 हजार रुपये दिखाया जाता है।

हॉस्टल में एएमयू छात्रा ने की खुदकुशी: 24 घंटे पहले भाई से हुई आखिरी बार बात, 25 अक्टूबर को मिली लाश

अलीगढ़ , एजेंसी। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के अब्दुल्ला वीमेंस कॉलेज की मुरादाबाद के अगवानपुर क्षेत्र निवासी छात्रा ने आत्महत्या क्यों की? इस सवाल का जवाब देर रात तक किसी के पास नहीं था। मगर इतना जरूर है कि छात्रा ने आत्महत्या 24 अक्तूबर रात में किसी समय की है। यह गवाही खुद छात्रा की अकड़ी हुई लटकी मिली लाश दे रही है। वहीं खुद लॉ छात्र भाई ने भी बताया है कि उसकी 24 अक्तूबर शाम सात बजे के आसपास आखिरी बार बात हुई थी। फिर न तो उसकी बात हुई। न 25 अक्तूबर को दिन भर में किसी ने उसे कमरे से बाहर देखा। फिलहाल चार भाइयों में इकलौती बहन की आत्महत्या से परिवार सदमे में है।

एएमयू प्रॉक्टर टीम व पुलिस की अब तक की जांच में उजागर हुआ है कि छात्रा चार भाइयों के बीच अकेली बहन थी। उसके दो भाई यहां एएमयू में पढ़ रहे हैं। प्रॉक्टर प्रो.वसीम अली के अनुसार विधि की पढ़ाई कर रहे भाई ने बताया कि शुक्रवार शाम उसकी बहन से सात बजे के आसपास बात हुई थी। इसके बाद न तो उसकी बात हुई। न देर शाम के बाद से छात्रा को मुमताज हॉल में किसी ने कमरे से बाहर देखा। शनिवार को दिन भर कमरा बंद रहा। शाम तक जब कमरा नहीं खुला तो इस बात पर आसपास की छात्राओं को शक हुआ कि वह इन दिनों कमरे में अकेली है। फिर भी बाहर नहीं देखी गई। तब उन्होंने जंगले से झांका तो छात्रा का शव लटका हुआ था। इस खबर पर वार्डेन व प्रोवोस्ट के जरिये खबर प्रॉक्टर व पुलिस तक पहुंची। तब दरवाजा तोड़कर टीम अंदर गई।

इस घटना के बाद प्रारंभिक जांच के बाद कमरा सील कर दिया गया है। वहीं पुलिस को कोई सुसाइड नोट या ऐसा साक्ष्य नहीं मिला है, जिसके जरिये आत्महत्या का सटीक कारण बताया जा सके। छात्रा का मोबाइल भी पुलिस ने ले लिया है। मगर अभी वह लॉक है। उसका लॉक खुलवाने का प्रयास किया जा रहा है। इसके साथ ही मुरादाबाद से चल चुके पिता व अन्य परिजनों के आने का इंतजार किया जा रहा है।इस खबर पर छात्रा के भाई के तमाम साथी छात्र मेडिकल कॉलेज पहुंच गए। वे परिवार के साथ खड़े थे। भीड़ में से अभी तक पोस्टमार्टम न कराने की बात सामने आ रही थी। देर रात तक पुलिस व प्रॉक्टर उन्हें समझाने के प्रयास में लगे थे। सीओ तृतीय सर्वम सिंह के अनुसार अभी परिवार से एकांत में बात करने का प्रयास किया जा रहा है। कुछ परिजन मुरादाबाद से चल दिए हैं।

मुरादाबाद मदरसा प्रकरण: छात्रा से कौमार्य प्रमाणपत्र मांगना गलत, बरेलवी उलमा ने बताया घिनौनी हरकत

बरेली , एजेंसी। मुरादाबाद के मदरसे में 13 वर्षीय छात्रा से कौमार्य प्रमाणपत्र मांगे जाने को बरेलवी उलमा ने गलत करार दिया है। तीन तलाक के खिलाफ लड़ने वाली निदा खान ने भी तीखी प्रतिक्रिया दी है। ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने कहा कि मुरादाबाद के मदरसे में छात्रा से कौमार्य प्रमाणपत्र मांगा जाना निहायत ही घिनौनी हरकत है। मदरसे हमेशा सांप्रदायिक सोच रखने वालों के निशाने पर रहते हैं। इस तरह की परिस्थितियों में जवाब देना मुश्किल हो जाता है। राहे सुलूक के अध्यक्ष मौलाना मुजाहिद हुसैन निजामी ने कहा कि मुरादाबाद के मदरसा शिक्षक ने पूरी मदरसा बिरादरी को शर्मिंदा कर दिया है। मदरसा संचालकों को यह ध्यान देना होगा कि जिस व्यक्ति की नियुक्ति कर रहे हैं, वह किस नजरिये का है। मदरसों में बड़े सुधार की जरूरत है।

जमात रजा-ए-मुस्तफा के महासचिव फरमान हसन खान ने कहा कि मदरसों में कौमार्य प्रमाणपत्र मांगना बिल्कुल अनुचित है। इस तरह की हरकतें सरकार के नारी सशक्तिकरण के प्रयासों को कमजोर करती हैं। मदरसे सिर्फ़ धार्मिक शिक्षा के केंद्र नहीं, बल्कि सामाजिक और नैतिक मूल्यों को संवारने के संस्थान हैं। इन हरकतों से न तो शिक्षा का स्तर सुधरेगा, न ही नारी सशक्तिकरण को बल मिलेगा।

निदा ने मदरसा संचालकों पर उठाए सवाल : आला हजरत हेल्पिंग सोसाइटी की अध्यक्ष निदा खान ने कहा कि ऐसे मौलाना अपना मानसिक स्तर दिखाते हैं और बताते हैं कि वे महिलाओं को किस नजरिये से देखते हैं। ऐसे लोग समाज के लिए खतरनाक हो सकते हैं। यही लोग हमारे समाज के दुश्मन बनते हैं। इनकी वजह से हमारी बहन-बेटियां सुरक्षित महसूस नहीं करतीं।

उन्होंने कहा कि जहां लड़कियां चांद पर पहुंच रही हैं, वहीं ऐसे लोग महिलाओं को एक गुलाम से ज्यादा कुछ नहीं समझते। ये लोग औरतों की गरिमा को कोई अहमियत नहीं देते और अपनी घटिया सोच को पूरी सोसाइटी पर थोपने की कोशिश करते हैं।

खतरनाक है कार्बाइड गन: लखनऊ में बच्चे की आंख घायल, दृष्टि हुई धुंधली; डॉक्टर बोले- सोशल मीडिया की न करें नकल

लखनऊ , एजेंसी। राजधानी लखनऊ में घर पर बनाई गई कार्बाइड गन में विस्फोट से एक बच्चे की एक आंख को गंभीर चोट आई है। उसकी कार्निया को नुकसान पहुंचा है। इससे दृष्टि धुंधली हो गई है। परिजन बच्चे को आननफानन नजदीकी निजी नेत्र अस्पताल ले गए। वहां चिकित्सक ने उपचार के बाद बच्चे को डिस्चार्ज कर दिया। हालांकि, बताया कि अगले 72 घंटे बच्चे की दृष्टि के लिए निर्णायक हैं। यह लखनऊ का पहला मामला बताया जा रहा है।

मामला बीकेटी क्षेत्र के सैरपुर गांव का है। गांव निवासी सात वर्षीय रचित ने सोशल मीडिया पर देखे गए वीडियो की नकल करते हुए घर में कार्बाइड गन बनाई। शनिवार की सुबह जब वह गन चलाने लगा तो वह नहीं चली। जांच करने के लिए वह पाइप में आंख लगाकर देखने लगा, इसी बीच धमाका हो गया। इसके बाद रचित का चेहरा और एक आंख क्षतिग्रस्त हो गई। उसे धुंधला दिखाई देने लगा।

परिजन उसे तुरंत बीकेटी के भोलापुरवा स्थित निजी नेत्र चिकित्सालय लेकर पहुंचे। वहां नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. सुमित ने प्राथमिक उपचार किया। डॉ. सुमित ने बताया कि इस तरह का मामला उनके यहां पहली बार आया है। बच्चे की आंख की रोशनी पर लगभग 50 प्रतिशत असर हुआ है, लेकिन दवाओं से इसके सुधरने की उम्मीद है।

खतरनाक है कार्बाइड गन

इस मामले में बलरामपुर अस्पताल के नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. संजीव गुप्ता ने चेतावनी दी है कि कार्बाइड गन प्रतिबंधित व खतरनाक है। इसके उपयोग से आंखों व चेहरे को गंभीर नुकसान हो सकता है। डॉ. संजीव के मुताबिक, कार्बाइड गन में प्रयुक्त कैल्शियम कार्बाइड औद्योगिक रसायन है। इसका इस्तेमाल वेल्डिंग, कटिंग और कुछ औद्योगिक प्रक्रियाओं में होता है। कैल्शियम कार्बाइड में पानी मिलाने से रासायनिक क्रिया होती है। इससे विस्फोट होता है।

उन्होंने अभिभावकों से अपील की है कि सोशल मीडिया पर दिखने वाले खतरनाक प्रयोगों की नकल न खुद करें और न बच्चों को करने दें। साथ ही बच्चों को कार्बाइड गन जैसी चीजों से दूर रखें।

मिलिंद परांडे बोले- देश भर में नशाखोरी के खिलाफ अभियान चलाएगा विहिप, युवाओं को किया जाएगा जागरूक

प्रयागराज , एजेंसी।

विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के केंद्रीय महामंत्री मिलिंद परांडे ने कहा कि युवाओं को नशे की गर्त में जाने से रोकने के लिए देश भर में नशाखोरी के खिलाफ विहिप अभियान चलाएगा। इसकी शुरुआत अगले महीने नवंबर से की जाएगी। युवाओं को नशे के खिलाफ जागरूक किया जाएगा और उनके अंदर देशभक्त और राष्ट्रभक्ति के नशे का संचार किया जाएगा। परांडे रविवार को विहिप काशी प्रांत कार्यालय केसर भवन में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

प्रयागराज पहुंचे परांडे ने विहिप के आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि फिलहाल विहिप का मुख्य फोकस नशाखोरी के खिलाफ अभियान पर है। इसकी शुरुआत नवंबर माह से की जाएगी। विहिप के युवा प्रकोष्ठ बजरंग दल और दुर्गा वाहिनी इसमें मुख्य भूमिका निभाएंगे और युवाओं के बीच जाकर उन्हें नशामुक्ति के लिए प्रेरित करेंगे और देशभक्ति की भावना का जागृत करने का प्रयास करेंगे। पूरे देश में बजरंग दल के छह हजार प्रखंड और दुर्गा वाहिनी के चार हजार प्रखंड हैं।

विशेष परिसर निजी उद्घाटन सरकारी

संजय कुमार शर्मा

देश की राजधानी दिल्ली से सटे उत्तर प्रदेश के जनपद गाजियाबाद में आज एक निजी अस्पताल का उद्घाटन देश की प्रथम नागरिक और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने किया। हालांकि बीते 11 साल में ऐसे मौके कम ही देखने को मिले है जब सरकारी उद्घाटन कार्यक्रम में राष्ट्रपति ने बतौर मुख्य अतिथि भाग लिया हो।

केंद्र में मोदी सरकार को बने 11 साल हो चुके है। बीते 11 वर्षों में वंदे भारत ट्रेन से लेकर, रैपिड रेल कोरिडोर, एनएच के हाईवें के उद्घाटन, नए संसद भवन का उद्घाटन कई योजनाओं के उद्घाटनों कार्यक्रम हुए जिनमे बतौर मुख्य अतिथि और उद्घाटनकर्ता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही रहे। लेकिन जब बात किसी निजी संस्थान के उद्घाटन की हो तो देश के राष्ट्रपति न केवल उपलब्ध हो जाते हैं बल्कि निजी संस्थान के पक्ष में जमकर कसीदे भी पढ़ने लगते है।

रविवार को भी ऐसा ही हुआ। यहां इंदिरापुरम में निजी अस्पताल के उद्घाटन कार्यक्रम में अपने संबोधन के दौरान राष्ट्रपति ने अस्पताल और उसके मालिक के संबंध में जमकर कसीदे पढ़े।

इतना ही नहीं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी इस अस्पताल को एक रोजगार सृजन का केंद्र बताकर प्रदेश के मुख्य द्वार पर चिकित्सा के लिए पहला केंद्र तक बता दिया। जबकि देश की राजधानी दिल्ली के नजदीक कई बड़े अस्पताल पहले से संचालित है।

आज उदघाटित अस्पताल और समूह के स्वामी ने इसे किसी चैरिटेबल मुहिम के तहत अस्पताल को बनाया हो इसकी संभावना कम है। अस्पताल के स्वामी विशुद्ध रूप से व्यवसायी है, जिनका लक्ष्य केवल लाभ कमाना है।

हालांकि यह बात सर्वविदित है कि उपरोक्त अस्पताल समूह के स्वामी का भाजपा सरकार और उनके नेताओं से करीबी रिश्ते है। बीते वर्षों में कई ऐसे प्रकरण देखने को मिले जब देश प्रदेश के कई मंत्री, बड़े नेता और उनके करीबी समूह के अस्पताल में उपचार के लिए भती हो चुके है।

"अब प्रदेश के लोगों को उपचार के लिए दिल्ली जाने की जरूरत नहीं है। प्रदेश के लोगों को उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में ही आधुनिक चिकित्सा सुविध उपलब्ध हो गई है।"
मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

आज के आयोजन और राष्ट्रपति द्वारा निजी अस्पताल के उद्घाटन से यह बात एक बार फिर साफ हो गई कि देश में केंद्र और राज्य सरकारें आम जन के लिए कम और व्यवसायियों के लिए अधिक काम करती है।

उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यानाथ ने तो निजी अस्पताल के संबंध में यहां कसीदे पढ़ते हुए कहा कि अब प्रदेश के लोगों को उपचार के लिए दिल्ली जाने की जरूरत नहीं है। भाषण के दौरान शायद सीएम यह बात भूल गए कि नव निर्मित अस्पताल सरकारी नहीं प्राईवेट है।

योगी को इस बात का भी ध्यान नहीं रहा कि गाजियाबद समेत नोएडा, ग्रेटर नोएडा में फोर्टिज, मैक्स, कैलाश, मेट्रो, नरेंद्र मोहन समेत कई निजी और सरकारी अस्पताल है जिनमे इस तरह की सुविध पहले से मौजूद है।

बीते एक दशक के दौरान जनपद गाजियाबाद में दिल्ली सीमा से सटे साहिबाबाद विधानसभा के कौशांबी, वैशाली वसुंधरा और इंदिरापुरम इलाके में एक भी सरकारी हाई स्कूल, इंटर कॉलेज और सरकारी चिकित्सा केंद्र नहीं बनाए गए। इतना ही नहीं सरकार के मातहत काम करने वाले गाजियाबाद विकास प्राधिकरण ने सरकारी स्कूल कॉलेज और अस्पताल के आरक्षित जमीन को निजी हाथों में बेच दिया। इसके लिए प्राधिकरण के अधिकारियों ने आरक्षित भूमि का भू उपयोग तक बदल दिया।

राष्ट्रपति के आज के कार्यक्रम के बाद देश की जनता को इस बात पर विचार करने को मजबूर होना पड़ेगा की देश की सरकार निजी बिजनेसमैन के लिए है या फिर आम आदमी के लिए। बेहतर होता कि इलाके में एक बड़ा अस्पताल बनता, जिसका उद्घाटन राष्ट्रपति के कर कमलों से कराया जाता। वैसे एक बात और भी आज सिद्ध हो गई कि सरकार की मंशा सरकारी अस्पताल, स्कूल कॉलेज खोलने की कम, निजी संस्थानों के लिए अवसर प्रदान करने और उनके लिए पलक पावड़े बिछाने की अधिक है।

रंजी ट्रॉफी:

अजिंक्य रहाणे ने खेली 159 रन की पारी, टीम इंडिया में क्या फिर होगी वापसी?

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टेस्ट टीम से दो साल से ज्यादा से बाहर चल रहे अजिंक्य रहाणे ने एक बार फिर से अपनी दावेदारी टीम इंडिया में वापसी के लिए ठोक दी है। उन्होंने रणजी ट्रॉफी 2025 के पहले राउंड के दूसरे मुकाबले में मुंबई की टीम को मुश्किल से बाहर निकाला। उन्होंने टीम को उस वक्त संभाला जब छत्तीसगढ़ के खिलाफ 38 रन पर उसके तीन विकेट गिर गए थे। उन्होंने सिद्धेश लाड के साथ मिलकर चौथे विकेट के लिए 165 रनों की साझेदारी की। रहाणे ने आउट होने से पहले 303 गेंद की अपनी पारी में 159 रन बनाए। अजिंक्य रहाणे ने इस पारी में अपना 42वां फर्स्ट क्लास शतक जड़ा। उन्होंने 159 रन बनाए और मुंबई की टीम को अच्छी स्थिति में पहुंचा दिया। इसी

के साथ फिर से यह अटकलें लगने लगीं कि क्या 37 वर्षीय इस खिलाड़ी की भारतीय टेस्ट टीम में वापसी हो सकती है। रहाणे ने भारत के लिए आखिरी टेस्ट मैच जुलाई 2023 में खेला था। अगर वह लगातार दो, तीन पारियों में अपना यह प्रदर्शन बरकरार रखते हैं तो निश्चित ही आगे चलकर विचार किया जा सकता है कि उनको एक और मौका मिले।

क्या है टीम इंडिया की सबसे बड़ी टेंशन?

चेतेश्वर पुजारा के बाद से भारतीय टीम को नंबर 3 पर कोई भी अच्छा विकल्प नहीं मिल पाया है। इस पोजीशन पर पुजारा के बाद गिल, केएल राहुल, साई सुदरर्शन, करुण नायर समेत कई बल्लेबाजों को ट्राई किया गया। मगर किसी ने भी बहुत ज्यादा प्रभावित नहीं किया। फिलहाल साई पर कप्तान गिल और कोच गंभीर भरोसा जता रहे हैं। लेकिन उनके बल्ले से भी लंबी पारियां 9 इनिंग्स के बाद नहीं आई हैं। ऐसे में अगर रहाणे का अच्छा परफॉर्मेंस जारी रहता है तो उनको एक बार फिर से मौका देने पर विचार-विमर्श हो सकता है।

केनेडियन ओपन:

कनाडा ओपन स्क्वाश के प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं अनाहत, स्विट्जरलैंड की मेरलो को हराया

टोरंटो, एजेंसी। मौजूदा राष्ट्रीय चैंपियन और भारत की स्टार स्क्वाश खिलाड़ी अनाहत सिंह ने शानदार खेल का नजारा पेश करते हुए पीएसए सिल्वर प्रतियोगिता कनाडा महिला ओपन स्क्वाश टूर्नामेंट के अंतिम 16 में जगह बनाई। विश्व रैंकिंग में 43वें स्थान पर काबिज़ दिल्ली की इस युवा खिलाड़ी ने शनिवार को पहले दौर में स्विट्जरलैंड की सिंडी मेरलो को 17 मिनट में 11-3, 11-3, 11-4 से हराया। अनाहत का अगला मुकाबला दुनिया की 20वें नंबर की खिलाड़ी और छठी वरीयता प्राप्त मेलिसा अल्वेस से होगा।

सचिन तेंदुलकर के लाल का रणजी ट्रॉफी में कमाल

नई दिल्ली, एजेंसी। महान सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर अक्सर लाइमलाइट में रहते हैं। हाल ही में वह अपनी लव लाइफ को लेकर चर्चा में थे। जब उनकी सगाई सानिया चंडोक से हुई थी। लेकिन, अब अर्जुन तेंदुलकर रणजी ट्रॉफी खेल रहे हैं। बात दें कि अर्जुन घरेलू क्रिकेट गोवा के लिए खेलते हैं। 25 अक्टूबर से गोवा और कर्नाटक के बीच रणजी ट्रॉफी का मैच खेला जा रहा है। दोनों टीमें एलीट ग्रुप बी में हैं। इस मैच में सचिन तेंदुलकर के बेटे ने पहली पारी में कमाल कर दिया।

करुण नायर ने ठोका शतक

इंग्लैंड दौरे के बाद अनुभवी बल्लेबाज करुण नायर को भारत की टेस्ट टीम से ड्रॉप कर दिया गया था। उनको वेस्टइंडीज के खिलाफ 2 मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए नहीं चुना गया था। हालांकि, अब रणजी ट्रॉफी खेलते हुए करुण नायर ने शानदार प्रदर्शन किया और गोवा के खिलाफ दमदार शतक ठोक डाला। अगर नायर इसी तरह से प्रदर्शन करते रहे तो साउथ अफ्रीका के खिलाफ 2 मैच की घरेलू टेस्ट सीरीज में वह वापसी कर सकते हैं।

रणजी ट्रॉफी में चमके अर्जुन तेंदुलकर

गोवा के कप्तान स्नेहल कौथानकर ने टॉस जीतकर कर्नाटक के खिलाफ पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। हालांकि, यह फैसला उनका ज्यादा सही साबित नहीं हुआ। कर्नाटक ने पहली पारी में तकरीबन साढ़े 300 रन बना दिए हैं। लेकिन, अर्जुन तेंदुलकर ने अपनी गेंदबाजी से जरूर सभी को इम्प्रेस किया। अर्जुन तेंदुलकर पहली पारी में 3 विकेट निकाल चुके हैं। उन्होंने कर्नाटक के ओपनर निकिन जोस, कृषण श्रीजित और अभिनव मनोहर को आउट किया है। बता दें कि अर्जुन पहले मुंबई के लिए घरेलू क्रिकेट खेलते थे। लेकिन, 2022 में ज्यादा मौके न मिलने की वजह से उन्होंने गोवा को जॉइन कर लिया। 26 साल के अर्जुन तेंदुलकर आईपीएल में डेब्यू कर चुके हैं। उन्होंने 2023 में मुंबई इंडियंस के लिए खेलते हुए आईपीएल में डेब्यू किया था। उसके बाद हालांकि उन्हें ज्यादा मौके नहीं मिले। अर्जुन ने 5 आईपीएल मैचों में 3 विकेट लिए हैं।

पैन पैसिफिक:

बेलिंडा बेनसिच बनीं पैन पैसिफिक ओपन की चैंपियन, नोस्कोवा को हराया

टोक्यो, एजेंसी। बेनसिच ने फाइनल में लिंडा नोस्कोवा को 6-2, 6-3 से हराया और करियर का 10वां खिताब जीतने में सफल रहीं। बेनसिच ने इससे पहले इस टूर्नामेंट में 10 साल पहले भाग लिया था।

स्विट्जरलैंड की बेलिंड बेनसिच ने शानदार प्रदर्शन जारी रखा और पैन पैसिफिक ओपन टेनिस टूर्नामेंट की चैंपियन बनने में सफल रहीं। बेनसिच ने फाइनल में लिंडा नोस्कोवा को 6-2, 6-3 से हराया और करियर का 10वां खिताब जीतने में सफल रहीं। बेनसिच ने इससे पहले इस टूर्नामेंट में 10 साल पहले भाग लिया था। उन्होंने रविवार को खेले गए फाइनल में चेक गणराज्य की अपनी प्रतिद्वंद्वी पर दबदबा बनाए रखा। बेनसिच ने नोस्कोवा की सर्विस को तीन बार तोड़ते हुए एक घंटे 22 मिनट में आसान जीत हासिल की। टोक्यो से स्विस खिलाड़ी की सुखद यादें जुड़ी हैं। उन्होंने चार साल पहले टोक्यो में ओलंपिक महिला एकल में स्वर्ण पदक और युगल में रजत पदक जीता था। मैच के बाद बेनसिच ने कहा, आप लोगों के सामने खेलना शानदार रहा। पिछली बार मैंने यहां जब टोक्यो ओलंपिक में जीत हासिल की थी, तब स्टेडियम खाली था, इसलिए माहौल बिल्कुल अलग था, लेकिन आप लोगों के सामने खेलना बहुत अच्छा लगा। मुझे जापान में खेलना बहुत पसंद है, इसलिए मैं यह टूर्नामेंट जीतकर बहुत खुश हूं।

...रोहित-विराट खेलेंगे घरेलू क्रिकेट!

कप्तान शुभमन गिल के बयान से लग रहीं अटकलें, बीसीसीआई जल्द लेगा फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। विराट कोहली और रोहित शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में खेले गए वनडे मुकाबले में बल्ले से धमाकेदार प्रदर्शन किया. 25 अक्टूबर (शनिवार) को हुए इस मैच में रोहित ने नाबाद 121 रन बनाए, वहीं कोहली 74 रनों पर नॉटआउट लौटे. दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए नाबाद 168 रनों की साझेदारी हुई, जिसने टीम इंडिया को 9 विकेट से जीत दिलाने में मदद की. ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज में विराट कोहली पहले दो मैचों में खाता नहीं खोल पाए थे.

रोहित भी पहले मैच में सिर्फ 8 रन बना सके थे, जबकि एडिलेड वनडे में वो शुरुआती ओवर्स में संघर्ष करते दिखे. हालांकि हिटमैन ने फिर लय पकड़ ली और 73 रनों की पारी खेली. अब रोहित-विराट ने सीरीज का अंत शानदार तरीके से किया है. फिर भी इस बात को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि अब दोनों अपने करियर के आखिरी पड़ाव की ओर बढ़ रहे हैं. विराट कोहली और रोहित शर्मा ने इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के बाद से कोई प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेला था, शायद यही कारण था कि दोनों शुरुआती मैचों में संघर्ष करते दिखे. कोई भी खिलाड़ी कितना भी नेट्स में पसीना बहाए, लेकिन मैच प्रैक्टिस काफी अनिवार्य है. कोहली-रोहित को लेकर भी ऐसा ही दिखा. यदि दोनों इंडिया-ए के लिए घरेलू मैच खेलकर ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाते, तो शायद पहले ही मैच से लय में होते. भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड जल्द ही ये तय करेगा कि रोहित शर्मा और विराट कोहली को मैच फिट रहने के लिए घरेलू क्रिकेट खेलना जरूरी है या नहीं. भारतीय कप्तान शुभमन गिल

ने संकेत दिए हैं कि इस मुद्दे पर जल्द ही चयनकर्ता और टीम मैनेजमेंट आपस में चर्चा करेंगे. गिल ने सिडनी में तीसरे वनडे के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, अभी तक इस पर कोई बात नहीं हुई है. लेकिन साउथ अफ्रीका सीरीज (6 दिसंबर) की समाप्ति के बाद और न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज (11 जनवरी) से पहले काफी लंबा गैप रहेगा. तब हम देखेंगे कि खिलाड़ियों को कैसे टच में रखा जाए.

उसी समय शायद कोई निर्णय लिया जाएगा. 24 दिसंबर से विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 (घरेलू वनडे टूर्नामेंट) शुरू होगी, जो 18 जनवरी तक चलेगी. इस टूर्नामेंट के ग्रुप मैच 8 जनवरी तक होंगे. इसका मतलब यह है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली न्यूजीलैंड सीरीज से पहले करीब 7 घरेलू वनडे मैच खेल सकते हैं. अब देखना होगा कि दोनों घरेलू क्रिकेट को लेकर क्या नजरिया दिखाते हैं.

बीसीसीआई भी जल्द ही इस पर कुछ निर्णय लेगा. एक बात तो स्पष्ट है कि यदि दोनों विजय हजारे ट्रॉफी में भाग लेते हैं, तो उनकी लय बनी रहेगी. साथ ही दोनों चयनकर्ताओं को भी संदेश दे सकते हैं कि वो वनडे वर्ल्ड कप 2027 के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं.

घरेलू क्रिकेट खेलने से बनी रहेगी लय

विराट कोहली और रोहित शर्मा ने फॉर्म में वापसी कर ली है, लेकिन ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद दोनों एक बार फिर इंटरनेशनल क्रिकेट से 1 महीने के लिए दूर हो रहे हैं. बता दें कि भारतीय टीम का वनडे क्रिकेट में अगला असाइनमेंट साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज है, जो 30 नवंबर से 6 दिसंबर तक होनी है. इसके बाद भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ 11 जनवरी से वनडे सीरीज खेलेगी. यानी साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज और न्यूजीलैंड सीरीज के बीच काफी लंबा अंतराल है. ऐसे में कोहली-रोहित यदि घरेलू क्रिकेट खेलेंगे, तो उनकी लय बनी रहेगी.

कोच ने संन्यास को लेकर कर दिया खुलासा

इस दिन वनडे क्रिकेट को अलविदा कहेंगे रोहित शर्मा

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज में भारत की 2-1 से हार हुई. लेकिन इस सीरीज में रोहित शर्मा का बल्ला खूब चला. भारत के स्टार बल्लेबाज ने तीन मैचों की सीरीज में 200 से ज्यादा रन बनाए. इसके लिए रोहित शर्मा को प्लेयर ऑफ द सीरीज भी चुना गया. रोहित शर्मा टेस्ट और टी20 इंटरनेशनल से संन्यास ले चुके हैं. वहीं ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज से पहले हिटमैन के वनडे से भी रिटायरमेंट लेने की खबरें चर्चा का विषय बनी हुई थीं. लेकि रोहित की परफॉर्मेंस ने उनके आलोचकों का मुंह बंद कर दिया है.

वनडे से कब रिटायर होंगे रोहित शर्मा?

रोहित शर्मा के बचपन के कोच दिनेश लाड ने न्यूज एजेंसी एएनआई से बात करते हुए हिटमैन के संन्यास पर बड़ा खुलासा किया. दिनेश लाड ने सिडनी वनडे में रोहित शर्मा की पारी को देखते हुए कहा कि रोहित ने जिस तरह बल्लेबाजी की और टीम इंडिया को जीत दिलाई, उसे देखकर बहुत अच्छा लगा. दिनेश लाड ने आगे कहा कि रोहित ने ये तय कर लिया है कि वो 2027 वनडे वर्ल्ड कप खेलेगा और उसके बाद ही संन्यास लेगा. रोहित शर्मा के बचपन के कोच ने विराट कोहली की भी तारीख करते हुए कहा कि कोहली ऐसे खिलाड़ी हैं जो किसी भी कंडीशन में सफल हो सकते हैं. उनके खेल को देखकर भी बहुत अच्छा लगा. दिनेश लाड ने बताया कि सचिन तेंदुलकर ने कहा था कि भविष्य में रोहित और विराट ही उनके रिकॉर्ड्स तोड़ेंगे और आज ये बात सच साबित हो रही है.

रोहित-विराट ने दिलाई जीत

भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरुआत दो वनडे मैच हार गई थी. वहीं तीसरे वनडे में रोहित शर्मा और विराट कोहली ने मैच विनिंग पारी खेली. रोहित ने 125 गेंदों में नाबाद 121 रन बनाए. वहीं विराट कोहली ने 81 गेंदों में 74 रनों की नाबाद पारी खेली और विनिंग चौका लगाकर टीम को तीसरा वनडे जिताया.

आईपीएल 2026 से पहले केकेआर ने किया बड़ा बदलाव

पूर्व भारतीय क्रिकेटर को बनाया मुख्य कोच

आईपीएल 2026 से पहले कोलकाता नाइट राइडर्स ने अभिषेक नायर को मुख्य कोच के रूप में नियुक्त किया है। नायर, जो पहले टीम में सहायक कोच और अकादमी हेड के रूप में काम कर चुके हैं, अब पूरी टीम की कोचिंग जिम्मेदारी संभालेंगे। यह बदलाव केकेआर के कोचिंग ढांचे में नए युग की शुरुआत माने जा रहा है। नायर का केकेआर के साथ पुराना नाता रहा है। उन्होंने युवा खिलाड़ियों को प्रशिक्षित करने और टीम की रणनीति में सुधार लाने में अहम योगदान दिया है। दिनेश कार्तिक, श्रेयस अय्यर और अन्य युवा भारतीय प्रतिभाओं के करियर में उनकी मार्गदर्शन की छाप साफ दिखाई देती है।

पूर्व मुंबई ऑलराउंडर अभिषेक नायर ने भारतीय घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया और 2009 में तीन ओडीआई खेले। रिटायरमेंट के बाद नायर ने कोचिंग में कदम रखा और कई अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को संभाला। उनके विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण और शांत नेतृत्व शैली ने उन्हे आईपीएल में उच्च सम्मान दिलाया है।

अब मुख्य कोच बनने के बाद नायर के सामने चुनौती है कि केकेआर को आईपीएल 2026 में फिर से खिताब के दावेदार बनाएं। उनकी आधुनिक क्रिकेट की समझ, रणनीतिक कौशल और खिलाड़ी मनोविज्ञान की समझ टीम के प्रदर्शन में सुधार ला सकती है। यह कदम टीम में निरंतरता और होमग्रोन लीडरशिप पर भरोसा दर्शाता है। नायर के अनुभव और कोचिंग दृष्टिकोण से चयक्रके खिलाड़ियों को नई दिशा मिलेगी और टीम में नई ऊर्जा का संचार होगा।

तवांग इंटरनेशनल मैराथन 3.0:

महिलाओं में सरस्वती और पुरुषों में सिकंदर ने मारी बाजी, 6000 से ज्यादा ने लिया भाग

नई दिल्ली, एजेंसी। 'रन अबव द क्लाउड्स ' थीम के तहत आयोजित इस मैराथन में देश-विदेश के 6,000 से अधिक धावकों ने हिस्सा लिया। 42 किलोमीटर मैराथन में महिला वर्ग सरस्वती राय ने पहला स्थान पाया जबकि पुरुष वर्ग में सिकंदर चिंदू तदाखे ने विजय का परचम लहराया। अरुणाचल प्रदेश के तवांग में 10,000 फीट की ऊंचाई पर शनिवार को आयोजित तवांग इंटरनेशनल मैराथन 3.0 ने जोश, जूनून और जज़्बे की नई मिसाल पेश की। 'रन अबव द क्लाउड्स ' थीम के तहत आयोजित इस मैराथन में देश-विदेश के 6,000 से अधिक धावकों ने हिस्सा लिया। 42 किलोमीटर मैराथन में महिला वर्ग सरस्वती राय ने पहला स्थान पाया जबकि पुरुष वर्ग में सिकंदर चिंदू तदाखे ने विजय का परचम लहराया।

इस आयोजन ने न सिर्फ खेल के प्रति समर्पण का प्रदर्शन किया, बल्कि यह एकता, साहस और आत्मबल का भी प्रतीक बनकर उभरा। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू, जो इन

दिनों जापान की आधिकारिक यात्रा पर हैं, ने वीडियो संदेश के ज़रिए धावकों को शुभकामनाएं दीं। मैराथन को गजराज कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) लेफ्टिनेंट जनरल गंभीर सिंह ने अन्य वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों –बॉल ऑफ फायर डिवीजन, ब्लेज़िंग स्वॉर्ड डिवीजन और रेड हॉर्न डिवीजन के जीओसी सहित फ्लैग ऑफ किया। इस मौके पर लेफ्टिनेंट जनरल गंभीर ने कहा, तवांग मैराथन अपने आप में यूनिक है। यहां ऊंचाई की चुनौती है, लेकिन उससे भी ऊंचा है प्रतिभागियों का मनोबल। सिंह ने कहा, इस मैराथन में देश और विदेश से आए धावकों ने हिस्सा लिया है।

यह आयोजन तवांग की सुंदरता, अनुशासन और एकता का संदेश दुनिया तक पहुंचाता है। पहले और तीसरे मैराथन में जमीन-आसमान का फर्क है। उन्होंने कहा कि तवांग इंटरनेशनल मैराथन का यह तीसरा संस्करण पहले की तुलना में कहीं बड़ा और प्रेरणादायक है।

पहले और तीसरे मैराथन में जमीन-आसमान का अंतर है। सबसे बड़ा बदलाव लोगों के जोश और जूनून में दिखता है – जो देखते ही बनता है। कार्यक्रम में तवांग के विधायक नमग्य त्सेरिंग, जिला परिषद अध्यक्ष, उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक और अन्य गणमान्य अतिथि भी उपस्थित रहे।